Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 51 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 03 अगस्त 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जिस प्रकार अंधकार और प्रकाश दोनों इस धरती पर है, वैसे ही धर्म और अधर्म भी इस धरती पर है।

Obserrance and non-obserrance of religion both exit on this earth like light and darkness.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी के ईडी छापे पोस्ट पर सीएम विष्णु देव साय ने कहा-जो अपराधी है उस पर कार्रवाई होकर रहेगी

रायपुर। राहुल गांधी ने श्वेत छापे पर एक्स में पोस्ट किया, जिसको लेकर सियासत गरमा गई है। वहीं छत्तीसगढ़ की सीएम विष्णुदेव साय का भी इस मामले पर बड़ा बयान सामने आया है। सीएम साय ने कहा कि जो अपराधी है उस पर कार्रवाई होकर रहेगी। ईडी और अन्य एजेंसियां भी कार्रवाई करेंगी। छत्तीसगढ़ में भी लगातार कार्रवाई हो रही है। किसी भी दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा। पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बयान पर सीएम विष्णु देव साय ने कहा कांग्रेस ने राममंदिर का निमंत्रण अस्वीकार किया था। कांग्रेस निमंत्रण अस्वीकार कर बड़ा पाप किया है। किसी कार्यक्रम में जाएं या नहीं जाए लेकिन निमंत्रण नहीं स्वीकारते। वही राहुल गांधी के ईडी छापे पोस्ट पर सीएम विष्णु देव साय ने कहा जो अपराधी है उस पर कार्रवाई होकर रहेगी।

52 साल बाद भारत ने ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराया, दर्ज की 3-2 से जीत

पेरिस। भारतीय हॉकी टीम का आज ऑस्ट्रेलिया से सामना हुआ। क्वार्टर फाइनल से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराया। इसी के साथ भारत ने क्वार्टर फाइनल से पहले जीत की पटरी पर वापसी कर ली है। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने 52 साल बाद ओलंपिक के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया को हराया है। इससे पहले 1972 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज की थी। शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में अभिषेक ने पहले क्वार्टर के 12वें मिनट में गोल किया और भारत ने 1-0 से बढ़त बनाई। हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर में 13वें मिनट में गोल कर दिया। इसी के साथ भारत 2-0 से आगे हो गया। दूसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया का खाता खुला। 25वें मिनट में क्रैग थॉमस ने गोल किया और टीम का स्कोर 2-1 हो गया। 26वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे हरमनप्रीत सिंह ने बचाया। हाफ टाइम तक भारत 2-1 की बढ़त के साथ आगे था। तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत सिंह ने 32वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक में गोल किया। इसी के साथ भारत 3-1 से आगे हो गया। तीन क्वार्टर के बाद भारत ने 3-1 से ऑस्ट्रेलिया पर बढ़त बनाए रखी।

बिहार में आकाशीय बिजली का कहर, 5 लोगों की मौत से हड़कंप

पटना। बिहार में कई इलाकों में मौसम के बदलाव के बाद कुदरत का कहर बरपा है। वज्रपात की घटनाएं भी शुरू हो गई हैं। इस दौरान पिछले 24 घंटे में वज्रपात से प्रदेश में पांच लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वज्रपात से हुई मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान में कहा गया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में वज्रपात से पांच लोगों की मौत हो गई। वज्रपात से रोहतास में दो एवं जहानाबाद में तीन व्यक्तियों की मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मृतक के परिजनों को अविलंब चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं।

शिवराज चौहान ने कांग्रेस को धोया

लोकसभा में बोले ओम बिरला महाभारत का किस्सा मत सुनाओ

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद का मानसून सत्र जारी है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोदी सरकार में किसानों के कल्याण पर बात की। चिराग पासवान ने इससे पहले राज्यसभा में पंजाब में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों पर सवालों के जवाब दिए, जबकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की एक विस्तृत रूपरेखा भी दी। लोकसभा ने आयुष्मान भारत और अन्य सहित स्वास्थ्य कार्ड योजनाओं पर चर्चा की। राज्यसभा में आज नीट पर चर्चा हुई। लोकसभा ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले को शुक्रवार को बधाई दी और इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन में अन्य भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की कामना की। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने शुक्रवार को कहा कि नए संसद भवन के डिजाइन, निर्माण और सुविधाओं की समीक्षा की जानी चाहिए तथा उम्मीद है कि इस बारे में सभी प्रमुख दलों की राय ली जाएगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को सदन में किसी का नाम लिए बगैर तंज कसते हुए कहा कि ''आजकल यहां महाभारत सुनाने का किस्सा ज्यादा चलता है।'' उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की जब सदन में प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रदीप पुरोहित ने आयुष मंत्रालय से संबंधित प्रश्न पूछने के दौरान रामायण के एक प्रसंग का उल्लेख किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के तहत सस्ती कीमतों पर बेची जाने वाली दवाओं और चिकित्सा उपकरणों से लोगों को अब तक 28,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत करने में मदद मिली है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद अपराजिता सारंगी नेशुक्रवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का सपना स्वस्थ एवं विकसित भारत बनाना है और इस दिशा में बहुत कुछ किया जा चुका है और बहुत कुछ किया जाना शेष है।कांग्रेस ने शुक्रवार को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत इलाज के नाम पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह निजी अस्पतालों को मरीज उपलब्ध कराने की योजना बनकर रह गई है। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने यह भी कहा कि सरकार को सार्वभौमिक स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश बढ़ाना होगा। तृणमूल कांग्रेस की सांसद शर्मिला सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में सरकार से आग्रह किया कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे से मुक्त किया जाए। देश में इस साल एक मार्च से 27 जुलाई के बीच लू और भीषण गर्मी से मौत के कुल 374 मामले सामने आए और संदिग्ध लू के 67,637 मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को लोकसभा को यह जानकारी दी।

राज्यसभा में शुक्रवार को विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए इसे समाप्त करने की मांग की वहीं सत्तापक्ष ने इसका जोरदार बचाव किया और कहा कि यह व्यवस्था न सिर्फ आम छात्रों के हित में है बल्कि इससे निष्पक्षता और समानता को भी बढ़ावा मिला है। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने मौजूदा शिक्षा पद्धति का जिक्र करते हुए कहा कि इस वजह से छात्रों का बचपन छिन गया है और उनके बीच गलाकाट प्रतिस्पर्धा हो रही है। उन्होंने पेपर लीक मामले की व्यापक जांच कराए जाने की मांग की। राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा ने कहा कि भारत विविधताओं से भरा देश है और यहां अनेकता में एकता है लेकिन एनटीए और नीट उस संकल्पना को पूरा नहीं करती है। भाजपा के गणपत गोपचड़े ने नीट परीक्षा का जोरदार बचाव किया और कहा कि इस व्यवस्था से निष्पक्षता और समानता को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि पहले अलग-अलग परीक्षाएं होती थीं, उनके पाठ्यक्रम भी अलग थे। भाजपा सदस्य ने कहा कि छात्रों को कई परीक्षाओं में शामिल होना पड़ता था और उन्हें विभिन्न स्थानों की यात्रा भी करनी पड़ती थी। कांग्रेस के 'डीएनए में किसान विरोध होने' का आरोप लगाते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से नरेन्द्र मोदी सरकार ने कृषि के क्षेत्र में प्राथमिकताओं को बदला जिसके अच्छे परिणाम आज देखने को मिल रहे हैं।

हार्वर्ड वाले तंज पर सौगत रॉय को खूब सुनाया

मुझे मनमोहन सिंह जैसा नहीं होना-वित्तमंत्री सीतारमण

नई दिल्ली/ एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को देश में शिक्षा और असमानता पर अपनी टिप्पणियों के लिए टीएमसी के सौगत रॉय की आलोचना की। उन्होंने लोकसभा में रॉय की टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझे उम्मीद नहीं है कि वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जैसे होंगे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड से पीएचडी नहीं की है। चिदम्बरम की तरह भी नहीं, जिनके पास हार्वर्ड से प्रबंधन की डिग्री है। वह हमारे ही जेएनयू से है। लेकिन समस्या यह है कि वह नए विचारों से वंचित है। सीतारमण ने कहा, ''निश्चित रूप से, मैं भी मनमोहन सिंह की तरह नहीं बनना चाहती,'' लेकिन उन्होंने टीएमसी के दिग्गज नेता से पूछा कि क्या भारत में पढ़ाई करने वाली पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भी विचारों से रहित हैं। उन्होंने बजट 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए रॉय से पूछा कि पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। क्या वह भी नए विचारों से वंचित हैं? सीतारमण ने कहा कि भट्टाचार्य जीएसटी परिषद में अद्भुत योगदान देती हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री भी कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज से थीं। उन्होंने पूछा,वह एक लड़ाकू हैं जो इतने सालों तक राज्य का नेतृत्व कर रही हैं। क्या इसका मतलब यह है कि यदि आप भारतीय विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं, तो आप विचारों से रहित हैं? उन्होंने कहा कि चाहे वह बंगाल की मुख्यमंत्री हों या मैं, हम भारतीय विश्वविद्यालयों से हैं।

वायनाड हादसे में झूठे दावे का आरोप

शाह के खिलाफ कांग्रेस ने की विशेषाधिकार हनन की शिकायत

नई दिल्ली। केरल के वायनाड में भूस्खलन पर उनके दावे को लेकर कांग्रेस द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ शुक्रवार को एक विशेषाधिकार शिकायत दायर की गई। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस पेश किया। विशेषाधिकार नोटिस में अमित शाह के इस दावे पर आपत्ति जताई गई है कि वायनाड में भूस्खलन से पहले केरल सरकार को शुरुआती चेतावनी दी गई थी। शाह ने यह भी दावा किया था कि केरल सरकार ने चेतावनियों पर कार्रवाई नहीं की, विशेषाधिकार नोटिस में जयराम रमेश ने इस दावे का खंडन किया था। विशेषधिकार नोटिस में कहा गया कि यह स्पष्ट है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा जारी प्रारंभिक चेतावनियों पर अपने जोरदार बयानों से राज्यसभा को गुमराह किया जो कि झूठी साबित हुई हैं। 31 जुलाई को राज्यसभा में एक संबोधन के दौरान गृह मंत्री ने दावा किया था कि भूस्खलन के बारे में केरल सरकार को 23 जुलाई को पूर्व चेतावनी दी गई थी।

वायनाड में वादा पीड़ित लोगों के लिए कांग्रेस सौ घर बनाएगी : राहुल

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को घोषणा की कि कांग्रेस वायनाड में 100 से अधिक घर बनाएगी। उन्होंने कहा कि केरल ने पहले किसी भी क्षेत्र में ऐसी त्रासदी नहीं देखी है और वह इस मुद्दे को दिल्ली में भी उठाएंगे. कांग्रेस नेता इस समय वायनाड में राहत शिविरों का दौरा कर रहे हैं, जो तीन बड़े भूस्खलनों से प्रभावित हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप 275 से अधिक लोगों की मौत हो गई और कई घर नष्ट हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि मैं कल से यहाँ हूँ। जैसा कि मैंने कल कहा, यह एक भयानक त्रासदी है। हम कल साइट पर गये थे। हम शिविरों में गए, हमने वहां की स्थिति का आकलन किया. आज हमने प्रशासन और पंचायत के साथ बैठक की। उन्होंने हमें हताहतों की संख्या, क्षतिग्रस्त हुए घरों की संख्या और अपनी रणनीति के बारे में जानकारी दी। हमने कहा है कि हम किसी भी संभव तरीके से मदद करने के लिए यहां हैं। कांग्रेस परिवार यहां 100 से अधिक घर बनाने का संकल्प लेना चाहता है। मुझे लगता है, केरल ने एक क्षेत्र में इस प्रकार की त्रासदी नहीं देखी है, और मैं इसे दिल्ली में और यहां के मुख्यमंत्री के साथ भी उठाने जा रहा हूं कि यह एक अलग स्तर की त्रासदी है और इसे अलग तरह से व्यवहार किया जाना चाहिए। लोकसभा सांसद ने गुरुवार को कहा था कि भूस्खलन के कारण हुए विनाश को देखना दर्दनाक है और वह वही भावनाएं महसूस कर रहे हैं जो उन्होंने तब महसूस की थीं जब उनके पिता, पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की 1991 में हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, जिन्हें वायनाड से लोकसभा उम्मीदवार घोषित किया गया है, के साथ विभिन्न शिविरों का दौरा किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वायनाड भूस्खलन पर बात की। उन्होंने कहा, मैं कल से यहां हूं। यह एक भयानक त्रासदी है। हमने आज प्रशासन के साथ बैठक की। उन्होंने हमें हताहतों की संख्या के बारे में बताया। हमने उनसे कहा कि हम यहां उनकी मदद के लिए हैं। केरल ने ऐसी त्रासदी नहीं देखी थी। यहां के मुख्यमंत्री से हमने बात की और कहा कि यह त्रासदी का एक अलग स्तर है।

किसान कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अनेकों काम किए जा रहे हैं : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्यसभा में किसानों के मुद्दे पर कहा की सरकार देश में किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है एवं कृषि मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में किसानों की भलाई के लिए पर्याप्त बजट आवंटन किया गया है।

श्री चौहान ने बताया कि कृषि कार्यों के लिए एक लाख 32 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि निर्धारित की गई है, जो वर्ष 2013-14 में आवंटित धन से 27 हजार करोड़ रुपये अधिक है।

कृषिमंत्री ने कहा कि पूरे विश्व में भारत सरकार की फसल बीमा योजना सबसे बड़ी हैं। इन 10 वर्षों में इस योजना की शानदार उपलब्धियां रही है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इन 10 वर्षों में गैर-ऋणी बीमा आवेदन की संख्या 20,000 से बढ़कर 5 करोड़ हुई। गैर-ऋणी किसानों की संख्या 27 गुना बढ़ी और बीमित क्षेत्र अब 5 करोड़ 98 लाख हेक्टेयर पर कुल बीमित राशि 82,000 करोड़ से बढ़कर 200,71,295 तक पहुंच गई है। कृषकों को 16,442 करोड़ प्रीमियम पर 63,617 करोड़ की क्लेम के मुकाबले अब 32,440 करोड़ प्रीमियम पर 1 लाख 64 हज़ार करोड़ का क्लेम मिला।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि हमारी छह प्राथमिकताएं हैं उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन की लागत घटाना, ठीक दाम देना, कृषि का विविधीकरण और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी धरती सुरक्षित रहे इसके लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का प्रयास, ये सरकार खेती का रोडमैप बनाकर काम कर रही है। केन्द्रीय कृषिमंत्री ने बताया कि 2013-14 में कृषि का बजट 27664 करोड़ रुपये था जो बढ़कर आज एक लाख 32 हजार करोड़ है।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार

रायपुर, शनिवार 03 अगस्त 2024

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर नगर निगम के भिन्न 9 वार्डो में शिविर लगाया गया, शिविर में त्वरित निराकृत

3 अगस्त को भिन्न 4 वार्डों में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक लगेगा जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा शिविर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के वार्डो में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक जनसमस्या निवारण पखवाडा के अंतर्गत शिविरों का आयोजन प्रात: 10 बजे से 3 बजे तक लगाए जाने का सिलसिला जारी है। रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 70 वार्डो में जनसमस्या निवारण पखवाडा अंतर्गत शिविर हेतु प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। प्रत्येक वार्ड में 1 शिविर लगाया जायेगा एवं उसमें रायपुर नगर पालिक निगम सहित विभिन्न शासकीय विभागो के अधिकारीगण जनसमस्या सुनकर उसका यथासंभव त्वरित निराकरण करने निर्धारित समयावधि में उपस्थित रहेंगे।

नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा आज सातवें दिन जनसमस्या निवारण पखवाडा के अंतर्गत जनसुविधा हेतु शिविर जोन 1 के वीर षिवाजी वार्ड के जोन 1 खमतराई पानी टंकी परिसर कार्यालय, जोन 2 के शहीद हेमूकालाणी वार्ड के नेहरू सांस्कृतिक भवन सेक्टर 1 देवेन्द्र नगर, जोन 3 के गुरू गोविंद सिंह वार्ड के काली नगर में काली मंदिर के पास स्थित सामुदायिक भवन, जोन 4 के डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड के वीरभद्र नगर सामुदायिक भवन, जोन 5 के भक्त माता कर्मा वार्ड के पवार समाज सामुदायिक भवन चंगोराभाठा, जोन 7 के शहीद चूडामणी नायक वार्ड के पार्षद कार्यालय रावण पट्टी के पास, जोन 9 के महर्षि वाल्मिकी वार्ड के वार्ड कार्यालय, जोन 10 के कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड के सामुदायिक भवन नवरंग चौक बोरियाखुद में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के अंतर्गत षिविर लगाया गया।

जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा शिविर में रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा, जोन 9 जोन अध्यक्ष श्री प्रमोद मिश्रा, पार्षद श्री उत्तम साहू, श्री दीपक जायसवाल, श्री पुरूषोत्तम बेहरा श्रीमती उमा चंद्रहास निर्मलकर सहित संबंधित जोन कमिष्नरगण एवं कार्यपालन अभियंतागण शिविर में पहुंचे एवं रायपुर नगर पालिक निगम के विभिन्न विभागों सहित रायपुर जिला प्रशासन एवं छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न शासकीय विभागों के स्टालों की प्रशासनिक व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के आदेशानुसार एवं उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के निर्देशानुसार लगाए जा रहे जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा के सातवें दिन नगर निगम के विभिन्न 9 वार्डो में लगाये गये शिविर में नागरिकों से कुल प्राप्त 2299 आवेदनों में से 1881 आवेदनों का शिविर स्थल पर ही तत्काल निराकरण कर दिया गया। शेष 418 मांगों के त्वरित निदान हेतु सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए गये। रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने सभी नागरिकों से जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा शिविर में आकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं का त्वरित लाभ प्राप्त करने का आव्हान किया है।

आज लगाये गये भिन्न 9 वार्डो के जनसमस्या निवारण पखवाडा षिविर में पहुंचे नागरिको को आवेदन करने के मिनटो बाद तत्काल राषन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड प्रदत्त करने का सिलसिला निरंतर जारी रहा। महिलाओं ने बडी संख्या में श्रमकार्ड बनवाये जो उन्हें श्रम विभाग के स्टाल से तत्काल प्रदत्त कर दिये गये। इससे संबंधित हितग्राहियों ने त्वरित कार्यवाही कर प्रसन्नता व्यक्त कर शासन प्रषासन को धन्यवाद दिया।

आज के षिविर में 57 पात्र नागरिको को तत्काल राषन कार्ड बनाकर प्रदत्त किये गये। आय प्रमाण पत्र 405 नागरिको को तत्काल बनाकर दिये गये। श्रम विभाग ने तत्काल 51 पात्रों को श्रमिक पंजीयन कार्ड बनाकर प्रदत्त किये । 20 लोगो को आधार कार्ड तत्काल बनाकर दिये गये। षिविर में 227 लोगो को आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजना कार्ड बनाकर प्रदत्त किये गये। हितग्राहियों के कार्य तत्काल होने पर उनके चेहरे खिल उठे एवं उन्होने इस हेतु राज्य शासन, जिला प्रषासन, नगर निगम रायपुर को धन्यवाद दिया। वार्डो में पार्षदगण जोन अधिकारियों सहित लगातार स्टालों का अवलोकन कर कार्य हेतु पहुंची आमजनों की समस्याएं सुनते रहे एवं उनका त्वरित निदान करवाने कार्य किया ।

दिनांक 3 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक जोन 1 के संत कबीर दास वार्ड के गोगांव स्कूल, जोन 6 के शहीद पंकज विक्रम वार्ड के संजय यादव स्कूल टिकरापारा, जोन 7 के पंडित ईष्वरीचरण शुक्ल वार्ड के कुकुरबेडा सामुदायिक भवन के पास, जोन 8 के रामकृष्ण परमहंस वार्ड के मंगल भवन कोटा, जोन 10 के रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड के पटेल चौक लालपुर के पास में जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा शिविर लगाया जायेगा।

स्थानीय नागरिक समस्याएं नल कनेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, अनापत्ति प्रमाण पत्र, नामांतरण, स्वरोजगार के प्रकरण का निराकरण शीघ्र अतिशीघ्र शिविर में अपेक्षित होता है. साथ ही नल लीकेज, नलों में पानी न आना, नालियोंध्गलियों की साफ सफाई, सार्वजनिक नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, कचरे की सफाई व परिवहन, टूटी फुटी नालियों का मरम्मत, सडकों के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाईट के मरकरी बल्ब ट्यूब का बंद रहना आदि सारी समस्याओं का निराकरण मौके पर ही शीघ्रता से किया जाना है. इससे स्थानीय प्रशासन में लंबित शिकायतों का निराकरण भी हो सकेगा। शिविर में करदाताओं को करो का भुगतान वार्ड में करने की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छ.ग.जिला संघ दुर्ग के जिला परिषद की बैठक मे लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

दुर्ग(विश्व परिवार)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ जिला संघ दुर्ग द्वारा जिला परिषद की बैठक दिनांक 31.07.2024 को जिला स्काउट-गाइड कक्ष मे जिला मुख्यालय आयुक्त श्री सजय बोहरा की अध्यक्षता में एवं जिला शिक्षा अधिकारी, पदेन जिला आयुक्त स्काउट श्री अरविंद मिश्रा के निर्देशानुसार बैठक का शुभारंग प्रार्थना गीत के साथ प्रारंभ किया गया। इस बैठक मे एजेण्डा अनुसार पूर्व मे किये गये कार्यों पर चर्चा किया गया, और वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर माननीय प्रधानमंत्री एवं राज्य मुख्य आयुक्त,डॉ सोमनाथ यादव के निर्देशानुसार एक पेड़ माँ के नाम प्रत्येक शाला मे स्काउट-गाइड/रोवर-रेजर के माध्यम से लगाया जाना है। जिले के तीनो विकासखंडो मे सम्नन्न हुये तृतीय सोपान जांच प्रशिक्षण शिविर के चर्चा उपरांत आगामी समय मे राज्य पुरस्कार पूर्वाभ्यास शिविर, बेसिक प्रशिक्षण, संस्था प्रधान संगोष्ठी जिला स्तरीय स्काउटर गाइडर कार्यशाला, पंजीयन अंशदान, एवं स्काउटर गाइडर हाईक बस्तर के आयोजन पर सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया। कुछ संशोधन के बाद वर्ष 2024-25 के वार्षिक कार्यकमो की स्वीकृति प्रदान की गयी। कोषाध्यक्ष श्री जी.आर.वर्मा ने वार्षिक बजट प्रस्तुत किया गया जिस पर विस्तार से चर्चा उपरांत सहमति प्रदान किया गया।

इस बैठक मे देवेन्द्र देवांगन विकासखंड सचिव, आनंद राम बघेल,जिला संयुक्त सचिव,श्रवण कुमार सिन्हा जिला प्रशिक्षण आयुक्त,स्काउट त्रिलोक चंद चौधरी,विकासखंड सचिव,सरस्वती गिरिया,सहायक लीडर ट्रेनर अमीता हरमुख, जिला प्रशिक्षण सलाहकार माया एस.पेठकर, हेमा चंद्रवंशी अवधेश विश्वकर्मा जिला संगठन आयुक्त स्काउट नेहा राजपूत जिला संगठन आयुक्त गाइड एवं नीरज साहू भी उपस्थित थे। राष्ट्रगीत के साथ बैठक का समापन हुआ।

अमृतकाल विजन की कार्यक्रम की तैयारी के लिए किया बैठक

जगदलपुर। अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 की अवधारणा पर संभागस्तरीय परिसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है इस संबंध में कमिश्नर श्री डोमन सिंह ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों से तैयारियों के विषय पर चर्चा की। कमिश्नर ने बताया कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की दिशा में छ.ग. राज्य को भी 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लिए अमृतकाल छत्तीसग? विजन तैयार करने हेतु राज्य नीति आयोग को दायित्व सौंपा गया है। 2047 के लिए रूपरेखा इस हेतु नीति आयोग 04 प्रमुख वर्ग यथा युवा, कृषक, महिला एवं प्रबुद्धजनों से संवाद कार्यक्रम द्वारा सुझाव प्राप्त कर आवश्यकतानुसार विजन डॉक्युमेंट में समावेश करेगी। इन वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति एवं पर्यटन, कृषि एवं वानिकी उद्योग एवं सेवा, जलवायु परिवर्तन, अधोसंरचना, सुशासन जैसे क्षेत्रों में विकास की संभावनाएं

तलाशने हेतु संवाद स्थापित कर सुझाव मांगी जाएगी। परिसंवाद कार्यक्रम में राज्य नीति आयोग, रायपुर के प्रतिनिधि भी इन वर्गों से सीधे संवाद स्थापित करेंगे। संवाद कार्यक्रम को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने सभी जिलों के कलेक्टर से सुझाव और सहयोग की अपील की। इस कार्यक्रम के लिए सभी जिला पंचायत सीईओ को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कार्यक्रम की संभावित तिथि 7 अगस्त को और स्थान शहीद गु?ाधुर कृषि कालेज जगदलपुर के ओडीटोरियम का प्रस्ताव पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री प्रकाश सर्वे सहित सभी जिलों के सीईओ जिला पंचायत भी उपस्थित रहे।

नीलांचल विहार कालोनी में जल भराव की समस्या दूर हुई

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 9 के क्षेत्र में मानसून पूर्व नाला निर्माण किये जाने से जोन के तहत नीलांचल विहार कालोनी और कचना फाटक के आस पास के क्षेत्र की बस्तियों को पूर्व वर्षो में होने वाली जल भराव की समस्या से निजात मिला है। बारिष में इस बार वहां जल भराव की समस्या नहीं आयी है। आज नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा ने कचना फाटक के पास के नाला निर्माण के बाद गंदे पानी के सुगम निकास की व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन जोन अधिकारियों के साथ किया। आयुक्त ने मानसून में लगातार मॉनिटरिंग कर एवं नाले की अच्छे तरह से सफाई करवाकर निकास प्रबंधन चुस्त बनाये रखने के निर्देष दिये है।

रैन वाटर हार्वेस्टिंग पीट अधिकाधिक तैयार करने कार्य तेजी से जारी

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा भूजल स्तर में वृद्धि करने रैन वाटर हार्वेस्टिंग पीट अधिकाधिक संख्या में बनाने का कार्य प्रतिदिन तेज गति से जियो हाईड्रोलॉजिस्ट के माध्यम से बिल्डरों, एनजीओ, छत्तीसगढ क्रेडाई की सहभागिता से करवाया जा रहा है। 500 से अधिक स्थानों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग पीट तैयार किये जा चुके है एवं यह कार्य तेजी से जारी है। नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा ने सबको सहभागी बनाकर राजधानी शहर में भूजल स्तर में वृद्धि करने अधिक से अधिक संख्या में रैन वाटर हार्वेस्टिंग पीट तैयार करने कहा है। लालपुर फ्लाई ओव्हर के नीचे जोन 3 के क्षेत्र में मौलश्री विहार के आस पास सहित विभिन्न जोनो के भिन्न स्थानों पर जियो हाईड्रोलॉजिस्ट के मार्गदर्षन में इनोवेटिव पद्धति से रैन वाटर हार्वेस्टिंग पीट निरंतर तेज गति से तैयार करवाये जा रहे है। रायपुर में सबकी सहभागिता से 5000 रैन वाटर हार्वेस्टिंग पीट शीघ्र तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया ।

महापौर और सभापति ने किया आजादी महोत्सव का पोस्टर विमोचन

रायपुर। रायपुर नगर निगम संस्कृति विभाग द्वारा स्वतंत्रा दिवस के अवसर पर आजादी महोत्सव का आयोजन 15 अगस्त 2024 को किया जा रहा है जिसमें शहर व प्रदेश वासियों के लिए रायपुर सिंगिंग आइडल व ग्रुप डांस कम्पटीशन का आयोजन आजादी थीम में रखा गया है। आज रायपुर नगर निगम महात्मा गाँधी सदन में महापौर ऐजाज ढेबर और सभापति प्रमोद दुबे ने आजादी महोत्सव का पोस्टर विमोचन किया और शहर की जनता से अपील किया की स्वतंत्रा दिवस के अवसर पर इस महोत्सव से जुड़कर कार्यक्रम को सफ्ल बनायें। इस मौके पर नगर निगम के एम आई सी सदस्य ज्ञानेश शर्मा जी, राधे श्याम विभार जी आकाश तिवारी जी व अन्य साथी उपस्तित रहें। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए नगर निगम के संस्कृति विभाग प्रमुख आकाश तिवारी ने बताया की आयोजन का उद्देश्य स्वतंत्र दिवस को लेकर शहर में वातावरण तैयार करना है साथ ही प्रदेश के लोगो में छुपी प्रतिभा को मंच देना है। आजादी महोत्सव प्रदेश वासियों को एक नयी ऊर्जा देने की सोच से तैयार किया गया है, साथ ही संगीत व नित्य प्रेमियों के लिए एक बड़ा मंच साबित होगा जिससे उन्हें अपनी प्रतिभा को आगे ले जाने में मदद मिलेगी ।

यह आयोजन 16 साल से अधिक लोगो के लिए दो केटेगरी में रखा गया है। जिसका ऑडिशन 7 अगस्त से 9 अगस्त 2024 तक रायपुर शहर स्तिथ शहीद स्मारक भवन में होगा। आयोजन में भाग लेने के लिए प्रतिभागी नि:शुल्क फार्म नगर निगम संस्कृति विभाग से प्राप्त कर सकते है। आयोजन के सम्बंधित जानकारी नगर निगम मुख्यालय सहित सभी जोन - कार्यालय से भी प्राप्त किया जा सकेगा ।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा दीनदयाल उपाध्याय नगर रायपुर में निर्मित ई. डब्ल्यू.एस. योजना के अतर्गत, भवनों में से भवन मांक ई.डब्ल्यू.एस - 236 में **श्रीमती मीरा गुप्ता पति श्री बलराम दास गुप्ता** को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 24.03.2011 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया। आबंटी द्वारा उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 01.07.2024 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त भवन **1. श्री संजय सिंह गौर पिता श्री शंकर सिंह गौर 2. श्रीमती अनुभा सिंह गौर पति श्री संजय सिंह गौर** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं। अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./13515/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 02-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13515
वार्ड का नाम- 36- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 36 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436K00318** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NASEEM BANO BEWA MD IBRAHIM, SAUKAT ALI S/O AHEMAD ALI** पिता/पति, श्री/श्रीमती...के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद अमीन उर्फ सज्जू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री मोहम्मद इब्राहीम** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./13516/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 02-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13516
वार्ड का नाम- 36- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 36 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436H00107** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **AADARSH AGENCY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AADARSH AGENCY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री किशोर भाई पटेल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - श्री मनीलाल पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विले**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रथम एवं पंचम व्यवसाय परिसर (दक्षिण पुर्व कार्नर), सेक्टर 27, नव रायपुर अटल नगर
फोन नं. : 0771-4016094,
email Id : em_zone2@yahoo.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा धरमपुरा, रायपुर में निर्मित प्रकोष्ठ भवन ई.डब्ल्यू.एस. ब्लॉक नं.-36 फ्लैट नं.-09, दितीय तल को **श्री पंकज कुमार फब्यानी पिता स्व.श्री नारायण दास फब्यानी,** के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक 5583 दिनांक 01.08.2011 के माध्यम से आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 05.02.2014 को लीज डीड पंजीकृत उपरांत दिनांक 22.07.2024 को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण-विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को श्रीमति सोनिया शरीफ पति श्री महबूब शरीफ, निवासी:- 95, विवके नगर, बेंगलुरू, कर्नाटका पिन नं.- 560047 के पक्ष में दिनांक 31.07.2024 को विक्रय-विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया गया है। **क्रेता श्रीमति सोनिया शरीफ पति श्री महबूब शरीफ,** द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल के अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
अत: उक्त प्रकोष्ठ भवन का फ्री होल्ड उपरांत मण्डल के अभिलेखों में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय, जोन क्रमांक-10, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्रमांक 20/न.पा.नि./जोन-10/24-25 — रायपुर, दिनांक 02.08.2024

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है :-
01. निविदा प्रपत्र हेतु आवदेन तिथि - 13.08.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
02. निविदा प्राप्त करने की तिथि - 14.08.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
03. निविदा जमा करने की तिथि - 23.08.2024 कार्यालयीन समय 3:00 बजे तक
04. निविदा खोलने की तिथि - 23.08.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस.ओ.आर. का विवरण	समय वधि
01	बाबू जगजीवन राम वार्ड क्र.53 अंतर्गत लाईट सामुदायिक / सांस्कृतिक भवन में एल.ई.डी. लगाने का कार्य। (पार्षद निधि)	3.50	3500/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. इले. दिनांक 01.06.2020 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
02	स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 अंतर्गत पुरैना तालाब अमलीडीह गार्डन, अमलीडीह पानी टंकी, राजेन्द्र नगर (सांई नगर), बोरियाखुर्द स्थित शौचालय का मरम्मत एवं संधारण कार्य । (सड़क बाधा मद 10.00 लाख)	3.64	4000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर) एवं इले. दिनांक 01.06.2020	02 माह
03	स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 अंतर्गत फुण्डहर भाटापारा, डूमरतराई बस्ती, डूमरतराई थोक मार्केट में सी.टी. / पी.टी. शौचालय का मरम्मत एवं संधारण कार्य। (सड़क बाधा मद 10.00 लाख)	3.64	4000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर) एवं इले. दिनांक 01.06.2020	02 माह
04	स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 अंतर्गत काशीराम नगर, लालपुर बस्ती, लालपुर स्कूल के पास देवपुरी स्वास्थ्य केन्द्र एवं पुजारी पेट्रोल पंप के पास स्थित शौचालय का मरम्मत एवं संधारण कार्य। (सड़क बाधा मद 10.00 लाख)	3.64	4000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर) एवं इले. दिनांक 01.06.2020	02 माह
05	जोन क्रमांक 10 में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024, विभिन्न स्थानों में 2डी पेंटिंग कार्य । सामान्य मद ।	3.89	4000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'ब' (नॉन एस. ओ. आर)	02 माह
06	कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड क्र. 54 अंतर्गत ओम नगर, संतोष नगर, श्रद्धा बिहार, अक्षत विहार, गली नं. 05 में बजरी फिलिंग का कार्य।	2.00	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. रोड दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
07	स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 हेतु जोन क्र.10 अंतर्गत आने वाले में BWG कम्पोस्ट पिट का मरम्मत/संधारण कार्य।	2.27	2500/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
08	रानी दुर्गावती वार्ड क्र. 50 अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के पीछे उद्यान की बाउण्ड्रीवाल का उन्नयन के संबंध में (संधारण मद)	1.93	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
09	गुरू घासीदास वार्ड क्र. 49 अंतर्गत काशीराम नगर में इंटरकनेक्शन कार्य। उन्नयन के संबंध में (संधारण मद)	1.03	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.एच.ई दिनांक 08.07.2024 संशोधित एस. ओ. आर)	01 माह
10	वृहर वृक्षारोपण कार्यक्रम हेतु पौधे उपलब्ध कराये जाने एवं कार्य संपादन हेतु श्रमिक प्रदाय कर कार्य किये जाने बाबत्। (15 वे वित्त आयोग)	2.70	3000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'ब' (नॉन एस. ओ. आर)	02 माह
11	गुरू घासीदास वार्ड क्र. 49 अंतर्गत काशीराम नगर पंचतारा ढाबा के पास सी. सी. सड़क मरम्मत कार्य । (संधारण मद)	2.36	2500/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. रोड दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
12	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र. 52 अंतर्गत महात्मा गांधी नगर, कुकरेजा फार्म, अमलीडीह एवं अन्य स्थानों में बजरी फिलिंग का कार्य।	2.00	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. रोड दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
13	जोन क्र.10 अंतर्गत जोन कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग के बैठक व्यवस्था हेतु शौचालय व कमरा संधारण कार्य। (सड़क बाधा मद)	1.91	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
14	डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र. 52 अंतर्गत जोन क्र. 10 पानी टंकी के नीचे में रंगरोहन एवं संधारण कार्य। (सड़क बाधा मद)	1.97	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
15	जोन अंतर्गत बड़ी पाईप लाईन का मरम्मत के संबंध में। (संधारण मद)	3.80	4000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.एच. ई दिनांक 08.07.2024 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
16	डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र. 52 अंतर्गत जय हिन्द कॉलोनी में जी. आई. पाईप लगाने का कार्य । (जल कष्ट मद)	2.90	3000/-	750/-	'डी' एवं भवन ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.एच.ई दिनांक 08.07.2024 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
17	जोन क्रमांक 10 अंतर्गत पानी टंकी के नीचे स्वास्थ्य विभाग में एल्युमिनियम, पार्टीशन, फॉल्स सीलिंग एवं विद्युतीकरण कार्य। (संधारण बाधा मद)	1.85	2000/-	300/-	'डी' एवं भवन ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी. डब्ल्यू. डी. भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह
18	डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र. 52 अंतर्गत वरण अपार्टमेंट के सामने में गली नं. 11 महात्मा गांधी नगर बस्ती में पाईप लाईन इंटरकनेक्शन का कार्य । (संधारण मद/जल संकट मद)	3.25	3500/-	750/-	'डी' एवं भवन ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.एच.ई दिनांक 08.07.2024 संशोधित एस. ओ. आर)	02 माह

1. नगर पालिका निगम रायपुर, द्वारा निम्नलिखित कार्य लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन, रायपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत तथा कार्य के अनुभवी ठेकेदारों से तीन लिफाफा पद्धती जमा करना है।
2. लिफाफा (अ) में अमानती राशि का एफडीआर व शपथ पत्र एवं चाही गई समस्त दस्तावेज ।
3. लिफाफा (ब) में निविदा प्रपत्र भरकर सील बंद करना होगा।
4. (अ) +(ब) एक अन्य तिसरे लिफाफा (स) मै भरकर ही स्पीड पोस्ट के द्वारा प्राप्त किया जायेगा।
5. सर्व प्रथम लिफाफा (स) खोलने के पश्चात लिफाफा (अ) खोला जावेगा जिसमें अमानती राशि का एफ. डी. आर. एवं अन्य चाही गई दस्तावेज होने पर ही निविदा प्रपत्र की लिफाफा (ब) खोली जावेगी तथा लिफाफे में अ,ब,स अंकित होना अनिवार्य है।
6 निविदा जमा करने एवं खोलने की तिथि में किसी वजह से अवकाश घोषित होता है तो व कार्यालयीन दिवस में किया जावेगा।
7. सक्षम श्रेणी का ई-रजिस्ट्रेशन, बैंक साल्वेंसी, अंतिम तीन साल का आईटीआर, पैन कार्ड, जीएसटी रजिस्ट्रेशन एवं अंतिम तीन का माह जीएसटीआर अमानती राशि के एफडीआर के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।
8. तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नये फर्मो के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।
9. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार नगर निगम रायपुर के पास सुरक्षित है।
10 निविदा संबंधी अन्य शर्ते एवं जानकारियां कार्यालय अवधी/दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
11. ठेकेदार को Form A & B में दिये गये सभी शर्ते के अनुसार कार्य किये जाना अनिवार्य है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक - 10,
नगर पालिका निगम, रायपुर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 03 अगस्त 2024

डीएमएफ से प्रस्तावित चिर्रा-श्यांग मार्ग एवं उस पर बनने वाले पुल-पुलिया का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र श्यांग में स्वास्थ्य कर्मियों के प्रस्तावित आवास स्थल का किया निरीक्षण

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज विकासखण्ड कोरबा अंतर्गत दूरस्थ सीमावर्ती ग्राम श्यांग, चिर्रा, जिल्गा बरपाली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्र तथा डीएमएफ से प्रस्तावित चिर्रा-श्यांग मार्ग एवं इस मार्ग पर बनने वाले पुल-पुलिया का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने ग्राम बरपाली (जिल्गा) के आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। यहां बच्चों को दी जाने वाली भोजन तथा खेल सामग्री के संबंध में जानकारी ली। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की कम उपस्थिति देखकर कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को केंद्र में बच्चों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने ग्राम बरपाली (जिल्गा) में प्राइमरी, मिडिल स्कूल तथा हाईस्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से क्लासरूम में जाकर चर्चा करते हुए उन्हें शिक्षा का महत्व बताया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कलेक्टर ने हाईस्कूल बरपाली में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति पर विद्यालय के प्राचार्य को संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। बरपाली में मिडिल स्कूल के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्कूल में निर्माणाधीन मरम्मत कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिर्रा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत नियुक्त किए गए 03 अतिथि व्याख्याता के संबंध में जानकारी ली। विद्यालय में साइकल स्टैण्ड तथा सांस्कृतिक मंच निर्माण की आवश्यकता होने की जानकारी सामने आने पर कलेक्टर ने डीएमएफ से साइकल स्टैण्ड और सांस्कृतिक मंच निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। कलेक्टर श्री वसंत ने चिर्रा-श्यांग मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने डीएमएफ से प्रस्तावित चिर्रा-श्यांग मार्ग की स्थिति और इस मार्ग पर बनने वाले पुल-पुलियों का अवलोकन किया। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने ग्राम श्यांग में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने श्यांग पीएचसी में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए आवास हेतु निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्यांग सहित आसपास के क्षेत्रों में मौसमी बीमारी, डायरिया तथा मलेरिया के रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्य की जानकारी ली। कलेक्टर ने बीमारियों की रोकथाम तथा पीड़ितों का समय पर उपचार करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संबित मिश्रा भी उपस्थित थे।

NMDC Limited,
Bacheli, Chhattisgarh
Sale of MS, Earth moving Machinery Scrap/Manganese Steel Scrap, Electrical Cable/Nylon and Steel Cord Scrap old and used Water Sprinkler/ Tyre/used Bolero Camper etc On behalf of NMDC Ltd ; Bacheli
Inspection at site
4th – 25th August 24
Online Auction
28th & 29th August 24
Hemchand : 9835909933
hemchandk@synise.com
For details visit : www.synise.com

जिला युवा कांग्रेस ने बिजली दर बढ़ोतरी के विरोध में बिजली बिल जलाकर किया प्रदर्शन

कोरबा(विश्व परिवार)। जिला युवा कॉंग्रेस कोरबा (शहर) द्वारा बढ़ते बिजली बिल, भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तावित स्मार्ट मीटर व बढ़ाये हुए बिजली की दरों के विरोध में तुलसीनगर इंदिरा स्टेडियम बिजली कार्यालय के सामने बिजली बिल का दहन किया गया। जिलाध्यक्ष राकेश पंकज ने आरोप लगाया जब 2018 से 2023 तक की कांग्रेस के सुशासन की सरकार द्वारा बिजली बिल हाफ कर उपभोक्ताओं के घर को रोशन करने का काम किया था। उसको बंद कर प्रदेश सरकार ने गरीबों को सिर्फलूट-खसोट कर पैसा वसूलने का काम कर रही है। कोरबा व पूरे प्रदेश की जनता 6 महीने से भाजपा सरकार के हर नीतियों से परेशान हो रही है। पार्षद रवि सिंह चंदेल ने बताया कि 6 महीने से बिजली विभाग ने किसी प्रकार का बिल नहीं भेजा इस महीने एक साथ 6 महीने का बिल भेजो अब एक गरीब आदमी 6 महीने का एक साथ बिजली बिल कैसे देगा, यह सरकार को सोचकर गरीबों के हित में कोई कदम उठाना चाहिए। यह प्रदर्शन संकेतिक था अगर सरकार ने अपने नीतियों को बदलकर जनता के हित में काम नहीं किया तो आने वाले समय में युवा कांग्रेस कोरबा प्रदर्शन बड़े रूप में करेगी।

यातायात पुलिस सड़कों से मवेशियों को उठाकर भेज रहे गौठान

कोरबा(विश्व परिवार)। राष्ट्रीय राजमार्ग और दूसरे मार्गों पर बने हुए ब्लैक स्पाट इसलिए हटा दिए गए हैं, क्योंकि वहां लगातार हादसे हो रहे थे। इसकी बड़ी कीमत लोगों को चुकानी पड़ रही थी। अब शहरी क्षेत्र में सडक़ों पर दिन-रात जमे रहने वाले मवेशियों को पकड़कर गौठान भेजने का काम किया जा रहा है। यातायात पुलिस और नगर निगम इस अभियान पर संयुक्त रूप से काम कर रहा है। यातायात पुलिस के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हुए सड़क पर मौजूद मवेशियों के गले में रेडियम बेल्ट बांधा गया। उद्देश्य था कि दूर से ही यह चीज चमक में आने पर हादसे से मवेशियों को बचाया जा सके। अभियान को रफ्तार देने के लिए नगर निगम ने काउकैचर और कर्मचारियों को काम पर लगाया है। विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करने के साथ कर्मचारी अपने तरीके से सड़क पर बैठे मवेशियों को पकडऩे के साथ सरकारी गौठान भेजने की कार्यवाही कर रहे हैं। यह सब इसलिए जरूरी है क्योंकि मवेशियों के सडक़ पर बैठने से लेकर आराम करने के दौरान उन पर वाहनों के चढऩे का डर बना हुआ है। यातायात विभाग ने अभियान में संयुक्त रूप से अपनी भूमिका निभाई है। एएसआइ मनोज राठौर ने बताया कि यातायात प्रभारी गोवर्धन मांझी के नेतृत्व में ट्रैफिक टीम विभिन्न क्षेत्रों में मवेशियों पर लगाम लगाने के लिए जुटी हुई है। आने वाले दिनों में मवेशी पालकों का पता लगाने के साथ उन पर जरूरी कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सूने मकान में चोरी करने वाले मां-बेटा गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले की जटगा पुलिस ने राजेन्द्र नगर क्षेत्र में एक मकान में हुई चोरी के मामले में एक महिला तथा उसके नाबालिग पुत्र को गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में एक नाबालिग आरोपी फरार है जिसकी पतासाजी की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार जटगा पुलिस सहायता केंद्र में प्रार्थी राजेन्द्र यादव निवासी हाथीदर जटगा ने घर में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफधारा 331(4),305(2) बीएनएस कायम कर उसकी तलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि गांव की राम बाई बहुत सारा पैसे रखकर गांव मे घुस रही है तथा लोगों को दारू मुर्गा खिला रही है। संदेह है कि राजेन्द्र यादव के घर मे राम बाई ने चोरी की होगी। सूचना पर पुलिस ने संदेही आरोपिया का पता तलाश कर उसे हाथीदर जटगा से पकड़ा गया तथा पुछताछ किया गया। पुछताछ में संदेही महिला ने बताया कि दिनांक 28 जुलाई की रात 1:30 बजे लगभग घटना स्थल राजेन्द्र यादव के घर पर अपने पुत्र बबलू उर्फ शिव नारायण और नाबालिग पुत्र के साथ मिलकर घर की दीवार को सब्बल से तोड़कर घर में रखे नगदी रकम 70 हजार रूपये व सोने चांदी के जेवरात की चोरी की थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपिया को विधिवत गिरफ्तार कर उसके पास से नगद 24002 रुपए, 1 नग चाँदी का लॉकेट घटना में प्रयुक्त सब्बल और टॉर्च जप्त किया गया। तथा आरोपीया राम बाई पति स्व. आशन सिंह उर्रे उम्र 54 वर्ष एवं उसके नाबालिग बालक को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

नक्सल प्रभावित जंगल में चल रहा था जुआ, 13 जुआरियो से कार समेत नकदी जब्त

कबीरधाम(विश्व परिवार)। जिला पुलिस ने जुआ खेलने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। नक्सल प्रभावित जंगल में चल रहे जुआ फंड से पुलिस ने कुल 15 आरोपी में से 13 को गिरफ्तार किया है। दो आरोपी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। जिनकी पातासजी की जा रही है। वर्तमान में पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से तीन कार, 13 मोबाइल व 76080 रुपए नकद जब्त किए गए हैं। जिले के एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम मुडघुसरी जंगल के किनारे आम जगह पर अवैध धन अर्जित करने की नियत से ताशपत्ती में हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा रेड कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 13 व्यक्ति हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेलते पकड़े गए।

ताला तोड़ा मंदिर में चोरी

भाटापारा(विश्व परिवार)। भाटापारा में चोरों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। गांधी मन्दिर वॉर्ड में स्थित रिलायंस ट्रेंस में अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़ दिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फस्ट फ्लोर एवं ग्राउंड फ्लोर पर सामान बिखरा हुआ मिला। टुटे ताले को देखकर स्टोर मैनेजर शिवनंदन ने भाटापारा शहर थाने में चोरी होने की शंका में शिकायत की। भाटापारा शहर थाना पुलिस जांच में जुट गई है। दो दिन पहले भी शहर में लगभग 20 लाख रुपये चोरी कर फरार चोर का पुलिस नहीं खोज पाई है। शहर के बीचों बीच चोरी के प्रयास की दूसरी घटना हुई। शहर के लोगो में दहशत का माहौल है।

पुलिस ने गुम 2 बालिकाओं को किया सकुशल बरामद

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के द्वारा सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुम बच्चो की दस्तयाबी के लिये तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। पुलिस अधीक्षक से प्राप्त निर्देशों के पालन हेतु दिनांक 31/07/2024 को थाना बांगो के द्वारा कुल 02 गुम बालिका को दस्तयाब किया गया। ज्ञात हो कि नाबालिको के गुम होने के मामले को अति संवेदनशील और गंभीर मामला माना जाता है , अत: प्रत्येक मामले में नाबालिक का अपहरण होने की दृष्टिकोण से देखा जाकर तत्काल अपहरण के धारा 137 (2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत एफआईआर दर्ज किया जाता है । पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक मामले में विशेष टीम का गठन कर बरामदगी हेतु तत्काल प्रयास किया जाता है । पुलिस सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्य की मदद से गुम इंसान को बरामद करने का प्रयास करती है। इसी के अंतर्गत वर्ष 2024 में अभी तक कुल 394 गुम इंसान को बरामद करने में सफलता मिली है जिसमे 88 पुरुष, 202 महिला, 23 बालक एवं 81 बालिकाएं हैं ।

विद्यार्थियों में विषयों के प्रति रुचि बढ़ाए शिक्षक : सीईओ

बोर्ड के परीक्षा परिणाम में लाये सुधार

शिक्षक अध्यापन शैली को करें मजबूत

कोरबा(विश्व परिवार)। बोर्ड परीक्षा में यदि 20 प्रतिशत से ज्यादा बच्चे अनुत्तीर्ण हो रहे हैं तो इसका मतलब शिक्षकों की अध्यापन शैली कमजोर है। शिक्षक अध्यापन शैली को मजबूत करते हुए विषयों के प्रति विद्यार्थियों में रुचि बढ़ाए। उक्त निर्देश श्री संबित मिश्रा सीईओ जिला पंचायत ने कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। श्री मिश्रा ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम लाने के लिए विद्यालयवार समीक्षा की और सम्बन्धित शिक्षकों से कार्ययोजना की जानकारी ली. उन्होंने कहा कि आज सोशल मीडिया के समय में कई टीचिंग टूल्स उपलब्ध हैं जिनका प्रयोग करके शिक्षक विद्यार्थियों का कान्सेप्ट क्लियर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि साइंस जैसे विषयों का विजुअल एक्ट करना बहुत आसान है जिससे छात्रों में जिज्ञासा बढ़ायी जा सकती है। सीईओ श्री मिश्रा ने कहा कि बोर्ड परीक्षा में फेल होने पर बच्चे स्कूल ही छोड़ देते हैं, ऐसा हमें नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में पढाई में कमजोर बच्चों का चिन्हांकन करके उन पर विशेष ध्यान दिया जाये। शिक्षक योजनाबद्ध तरीके से अध्यापन का कार्य करें। इसके साथ ही विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करें।

ब्लैक स्पॉट में दुर्घटना रोकने के लिए लगाए जाएंगे रेट्रोरिफ्लेक्टिव ट्रैफिक साइन

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई आयोजित

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के चिन्हाकित ब्लैक स्पॉट में सड़क दुर्घटना को रोकने हेतु ओवर स्पीडिंग को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। इस हेतु आवश्यक सुरक्षा साधनों का उपयोग करने एवं प्रस्तावित कार्यो को शीघ्र प्रारम्भ कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, एडिशनल एसपी श्रीमती नेहा वर्मा, जिला परिवहन अधिकारी श्री विवेक सिन्हा, सार्वजनिक उपक्रम एसईसीएल, बाल्को, पीडब्ल्यूडी, नेशनल हाईवे, एनएचएआई, एनएचपीडब्ल्यूडी, इरकॉन, परिवहन, यातायात सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने जिले में सड़क सुरक्षा से संबंधित किए गए प्रयास, सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण, दुर्घटना नियंत्रण के उपाय व सड़क सुरक्षा जागरूकता के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर द्वारा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग में सड़क दुर्घटना को रोकने हेतु डीएमएफ मद से प्रस्तावित कार्यो की भी जानकारी ली। पुलिस व परिवहन विभाग द्वारा चिन्हाकित सभी ब्लैक स्पॉट स्थानों में रेट्रोरिफ्लेक्टिव ट्रैफिक साइन, स्पीडगन, सीसीटीवी कैमरा, क्रैश बैरियर, हाई मास्ट लाइट, होर्डिंग्स लगाने जैसे अन्य कार्य किए जाएंगे। जिससे इन स्थानों पर रात्रि में प्रकाश की व्यवस्था हो सके व रात में यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नही हो एवं आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुँचायी जा सके। साथ ही छोटे मार्गो से मुख्य मार्गो को जोड़ने वाले जंक्शन पॉइंट पर रंबल स्ट्रीप भी लगाया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग में दुर्घटना जन्य क्षेत्रो से पहले गाड़ियों की स्पीड नियंत्रण हेतु होर्डिंग्स व साइन बोर्ड प्रदर्शित किया जाएगा साथ ही यथा स्थानों में स्पीडगन भी स्थापित किए जाएंगे। इससे ओवर स्पीड करने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा सकेगी। आवश्यक स्थानों में पेड़ो पर रेडियम रिफ्लेक्टर, संकेतक, ब्लिंकर भी लगाया जाएगा। कलेक्टर ने एनएच में डीएमएफ से लगने वाले स्पीडगन सीसीटीवी कैमरा जैसे तकनीकी उपकरणों को शासकीय संस्थानों के नजदीक स्थापित करने के लिए कहा। जिससे इनकी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर ने सड़क दुर्घटना में होने वाले मृत्यु के कारणों की समीक्षा करते हुए बिना हेलमेट व बिना सीट बेल्ट लगाए यात्रा करने वालो , सिग्नल तोड़ने व ओवर स्पीडिंग करने वालों पर चालान करने के निर्देश दिए साथ ही शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले चालकों पर सख्त कार्यवाही करने व लाइसेंस निरस्त करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर द्वारा बाल्को द्वारा किये जाने वाले मरम्मत कार्यो में लापरवाही बरतने पर नाराजगी जाहिर करते हुए परसाभाठा से बजरंग चौक तक 10 दिवस के अंदर स्ट्रीट लाइट व कैमरा लगाने के निर्देश दिए।

संपादकीय

तीन छात्रों की अकल्पनीय मृत्यु दुखद

अवधेश कुमार

दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की अकल्पनीय दुखद मृत्यु हर चिंतनशील व्यक्ति को अंदर से हिलाने वाली है। निश्चित रूप से कोचिंग करने आए उन तीन दुर्भाग्यशाली छात्रों का कोई दोष नहीं है।राव आईएएस स्टडी सर्किल सिविल सेवा के कोचिंग की दृष्टि से सम्मानित नाम है। हालांकि पिछले ढाई दशकों में कई और ऐसे कोचिंग संस्थान खड़े हो गए हैं जिनका सम्मान और साख अभ्यर्थियों की दृष्टि में राव'स के लगभग बराबर ही है। कल्पना करिए, अगर इतनी पुरानी और सम्मानित संस्था की आधारभूत संरचना ऐसी है तो अन्य संस्थाओं की कैसी स्थिति होगी? इस घटना के बारे में जानकारी इतनी ही है कि ओल्ड राजेंद्र नगर में बारिश का पानी सड़कों पर भर गया जो दुकानों-मकानों में घुसने लगा और बड़ी गाड़ियों के यूटर्न लेने से कुछ मिनट के लिए पानी इतनी तेजी से आया कि स्टडी सर्किल के बेसमेंट में लगे शीशे के दरवाजे टूट गए और मिनट भर में अंदर पानी भर गया। कुछ सौभाग्यशाली छात्र बच के निकल गए। तीन नहीं निकल सके। इसे सामान्य दृष्टि से भी विश्लेषित करें तो नालियों, सड़कों पर जल जमाव के बीच यातायात की व्यवस्था, व्यावसायिक स्थलों के बचाव तथा भवन निर्माण में ऐसी, सुरक्षित दरवाजे आदि के पहलू सामने आएंगे। इसके लिए कितने विभाग और लोग अपराधी दिखाई देते हैं, बताने की आवश्यकता नहीं। कह सकते हैं कि जब बारिश काफी तेज हो तो एकाएक पानी का निकास संभव नहीं होता। तो क्या इस आधार पर ऐसी भयावह घटना को स्वाभाविक माना जा सकता है? दिल्ली के उपराज्यपाल का बयान है कि दोषी बख्से नहीं जाएंगे। यह सामान्य सा बयान है। कौन-कौन दोषी हैं, इसकी पहचान अपने आपमें बड़ा प्रश्न होता है। घटना बिल्कुल ताजी है, देश भर का ध्यान है, लोगों में आक्रोश है तो ऐसे समय कार्रवाई होती है। इसके बाद न्यायालय की लड़ाई, साथ ही साथ पूरी स्थिति की समीक्षा और फिर

भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके सुरक्षोपाय हमारे समाज और सत्ता प्रतिष्ठान के चरित्र में बहुत कम परिमाण में दिखते हैं। कोचिंग सेंटर को सील कर दिया गया है। क्या सड़क के उस स्थान को भी सील किया जा सकता है जहां से पानी का तेज झोंका अंदर आया? क्या उन गाड़ियों की पहचान कर दंडित किया जा सकता है जिन्होंने ड्राइविंग मानकों का उल्लंघन कर गलत तरीके से यूटर्न लिया और घटना घटा दी? क्या उस व्यावसायिक क्षेत्र के निर्माण की अनुमति और पूर्णता का सर्टिफिकेट देने वाले सारे लोगों की पहचान संभव है? इसी तरह युवाओं के कॅरियर बनाने के नाम पर चारों तरफ दिख रहे कोचिंग सेंटरों में से कम से कम बड़े नामों की भी क्या एक बार संपूर्ण जांच संभव है? इन प्रश्नों के उत्तर हम आप अच्छी तरह जानते हैं। किसी समस्या को उसकी संपूर्णता में देखने और दुरगामी सोच से स्थायी समाधान की दिशा में बढ़ने की आवश्यकता होती है। हमने अपनी पूरी शैक्षणिक-सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था को इस स्थिति में पहुंचा दिया है जहां से लगता ही नहीं कि इसकी संभावना बची है। नगरों में निर्माण और उसके संचालन का मुद्दा यहां शीर्ष पर दिखता है। इसके परे देखें तो क्या शिक्षा के लिए इस तरह के कोचिंग सेंटरों की वाकई आवश्यकता है? दिल्ली ही नहीं पूरे देश में शायद ही कोई ऐसा शहर और कस्बा होगा जहां परीक्षाओं की तैयारी के नाम पर छोटे-बड़े कोचिंग सेंटर न हों। आम प्रतिक्रिया यही होती है कि सरकारी विद्यालयों, महाविद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन की स्थिति इतनी कमजोर है कि अगर छात्र अतिरिक्त कोचिंग में न जाएं तो उनके लिए वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में सफल होना मुश्किल है। प्रश्न उठता है कि आखिर, हमारा शिक्षा ढांचा इतना लाचार क्यों हो गया? शिक्षा किसी समाज और राष्ट्र का मूल है। जैसी शिक्षा वैसे ही देश और समाज का निर्माण। जिन लोगों ने इस बात पर गहराई से विचार किया कि हमारा देश कभी विश्व के लिए आकषर्ण का केंद्र था तो उसकी शिक्षा व्यवस्था कैसी थी, उन्हें इसका उत्तर मिला। प्राचीन वांग्मय में पर्याप्त उदाहरण मिलते हैं कि हमारी शिक्षा छात्रों के लिए सच्चे ज्ञान की उच्चतम अवस्था को प्राप्त कर श्रेष्ठ मनुष्य बनने और समाज को दिशा देने जैसे कर्तव्य निर्वहन पर केंद्रित थी। देश, काल, परिस्थिति के अनुसार इसमें विषय घटते-बढ़ते रहे किंतु मूल लक्ष्य एक ही रहा। ज्ञात इतिहास में ऐसे विश्वविद्यालय उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम यानी पूरे देश में थे जहां विदेशों से भी छात्र आते थे। इसलिए भारत को कभी वर्तमान शिक्षा प्रणाली जैसा ढांचा खड़ा करने की आवश्यकता नहीं हुई। हमारे यहां स्वतंत्रता के बाद शिक्षा सुधार के नाम पर परिवर्तनों की कोशिशें की गई किंतु मूल ढांचा वही रहा जो हमें अंग्रेजों ने दिया। इस शिक्षा व्यवस्था में छात्र के सामने हम कॅरियर का ही विकल्प देते हैं। किसी भी क्षेत्र में जब कॅरियर सर्वोपरि होगी तो गलाकाट प्रतियोगिता होगी और फिर उसमें सफल रहने के लिए लाखों की संख्या में ऐसे ही संस्थान खड़े होंगे। कोचिंग तो छोड़िए देश में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक के कितने निजी संस्थान खड़े हो चुके हैं। इसकी गणना तक असंभव है। जो शिक्षा हमारे यहां स्वाभाविक रूप से समाज व्यवस्था में बिना अतिरिक्त व्यय के अपने आप मिलती थी, वह इतनी खर्चीली हो गई कि किसी सामान्य आदमी के लिए स्तरीय शिक्षा दिलाना असंभव है। दुर्भाग्य से पूरी व्यवस्था इसी शिक्षा व्यवस्था से निकले लोगों के हाथों है। पूरा वातावरण पिछले करीब डेढ़ सौ वष्रो में ऐसा बना है जिसमें इससे बाहर निकल कर नई शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़ने की कल्पना से लोग डरने लगते हैं। आप देश भर के प्रमुख शहरों के एक वर्ष के ही इससे संबंधित समाचारों को उठाएंगे तो पता चलेगा कि अलग-अलग प्रकार की अनेक त्रासदियां शिक्षा व्यवस्था के कारण हो रही हैं। अपने कर्तव्य को समझें, उसका ठीक से निर्वहन करें तथा हमारे अंदर इतना आत्मविश्वास हो कि जीवन में कल क्या होगा, यह चिंता आए ही नहीं। सत्यनिष्ठ, ईमानदार परिश्रमी और विश्वास से भरे भारतीय संस्कारों से ओतप्रोत नौजवान ही देश और दुनिया में मनुष्य के कल्याण में वातावरण के निर्माण में भूमिका निभा सकेंगे। तो ऐसी घटनाओं से सबक लेकर हम सबको शिक्षा, कॅरियर आदि से जुड़े पूरे नरेटिव और इकोसिस्टम को बदलने के लिए जहां जो कर सकते हैं, कोशिश करनी चाहिए।

मोदी की रूस यात्रा अमेरिका निराश.....

भारत और अमेरिका के संबंध क्या पटरी से उतर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 8-9 जुलाई की रूस यात्रा के संबंध में अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के संदेश और समय ने अमेरिका को भारत की ओर से निराश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन रूसी राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध अपराधी घोषित कर चुके हैं। जाहिरा तौर पर ऐसे हालात में प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा पर अमेरिका से इसी तरह की प्रतिक्रिया अपेक्षित थी। डोनाल्ड लू से पहले नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि अमेरिका और भारत के रिश्ते हाल के वर्षो में व्यापक बने हैं, लेकिन इनकी बुनियाद ज्यादा पुख्ता नहीं है। उन्होंने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता पर भी सवाल खड़े किए थे। पश्चिमी देशों की मीडिया ने भी मोदी की रूस यात्रा की आलोचना करते हुए यहां तक कह दिया कि भारत पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यह इत्तेफाक था कि जिस समय मोदी की रूस यात्रा हुई थी, उसी दौरान वाशिंगटन में सैन्य संगठन नाटो की शिखर वार्ता आयोजित थी जिसमें रूस विरोधी रणनीति का प्रारूप तैयार किया गया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने डोनाल्ड लू की प्रतिक्रिया पर सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि भारत और रूस के संबंधों पर चर्चा करते हुए व्यावहारिक वास्तविकता को ध्यान में रखना चाहिए। दोनों देशों के संबंध आपसी हितों पर आधारित हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका सहित पश्चिमी देश भारत और विशेषकर मोदी के प्रति बेरुखी का रवैया अपनाने लगे हैं।आगे चलकर यह रुख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष विरोध में बदल सकता है। ऐसे में रूस के साथ संबंधों को और मजबूत बनाया जाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी शायद इसी सोच को आगे बढ़ा रहे हैं। लोगों को याद होगा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में ऐसी ही रणनीति अपनाई थी। भारत ने तत्कालीन सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की थी जिसके कारण बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय भारत अमेरिका की चुनौती का सामना कर सका। भारत एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। ऐसे में अमेरिका और पश्चिमी देश नई दिल्ली को चाह कर भी अस्थिर नहीं कर सकते। लेकिन भारत को अपनी ओर से सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि भारत और रूस के बीच बढ़ता सैन्य सहयोग अमेरिका की आंखों में किरकिरी पैदा करता रहेगा। अमेरिका का भारत के प्रति क्या रुख रहेगा यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

विशेष लेख

मुस्लिम महिलाओं को गुजारे भत्ते का हक

अजय दीक्षित

पिछले दिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित किया है कि मुस्लिम महिलाओं को गुजारे भत्ते के बाद पूरा हक है और वे सी.आर.पी.सी. की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144) के अन्तर्गत केस दायर कर सकती हैं । असल में बहुत साल पहले राजीव गांधी के जमाने में शाह बानो नाम से प्रसिद्ध केस में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा ही आदेश पारित किया था कि तलाक के बाद मुस्लिम बीवी को गुजारे भत्ते का हक है । मुस्लिम विरोध को देखते हुए तब के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने संसद से ऐसा बिल पारित करवा लिया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला निरस्त होकर प्रभावहीन हो गया । वर्तमान फैसला मोहम्मद अब्दुल समद द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिया है । असल में समद की तलाकशुदा पत्नी ने फैमिली कोर्ट में तेलंगाना में एक केस दायर किया था और फैमिली कोर्ट ने महिला के हक में फैसला सनाया था । पत्नी के पति समद ने इसे पहले जिला कोर्ट में और फिर तेलंगाना हाईकोर्ट में चैलेंज किया था । दोनों कोर्टों ने महिला के पक्ष में फैसला दिया और फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा । इसी को चैलेंज करने समद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था । सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बैंगलोर वेंकटरमैया नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जार्ज ने फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरा रखा । अब केन्द्र में वर्तमान भाजपा की सरकार राजीव गांधी की तरह इस फैसले में देखलंदाजी नहीं करेगी क्योंकि यू.सी.सी. (यूनिफॉर्म सिविल कड) केन्द्र की एक योजना है । कुछ राज्यों में यह लागू भी हो चुका है । इसका मतलब है कि आप किसी भी धर्म के हो, तलाक, गुजारा-भत्ता, विवाह, सम्पत्ति का बंटवारा, धर्म परिवर्तन आदि में सभी पर एक जैसा क़ानून लागू होगा । गोवा में यह नियम पुर्तगालियों के जमाने से चला आ रहा है । उत्तराखण्ड में यह लागू हो रहा है । गुजरात में भी कुछ दिनों में लागू हो जायेगा। मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम इसकी पूरी तैयारी में हैं । असल में मुस्लिम धर्मगुरु इसे शरीयत के ख़िलाफ़ मानते हैं और कहते हैं कि संविधान में, धर्म को लेकर जो गारंटी दी गई है, यह फैसला उसके खिलाफ है । अभी देश में सिख, ईसाई, पारसी पारसी, आदिवासियों आदि के लिए बहुत से मुद्दों पर उनके अपने नियम हैं। भाजपा का कहना है कि अनेक मुस्लिम देशों ने प्रगति करके अपने तकियानूसी नियमों को छोड़ दिया है । अभी तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को यदि पूर्व पति गुजारा भत्ता नहीं देता है तो उसे बक्फ बोर्ड द्वारा गुजारा भत्ता दिये जाने का प्रावधान है । सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उसका फैसला सभी धर्मों की महिलाओं पर लागू हो रहा है । सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि अब वक्त आ गया है कि भारतीय पुरुष पत्नी क त्याग पहचाने, उसका संयुक्त खाता खुलवाये । पति के लिए यह जरूरी है कि वह अपनी पत्नी को नियमित घर खर्च दे । वह भावनात्मक रूप से पति पर निर्भर है । असल में भाजपा के प्रवक्ता जिस तेजी से मुसलमानों के रीति रिवाजों पर तंज कसते हैं, उस धर्म गुरु चिढ़े हुए हैं । हिजाब को लेकर भी बहुत से राज्यों में विवाद चल रहा है । असल में यह विचारणीय है कि यदि सिख पगड़ी पहनकर कॉलेज, स्कूल में जा सकते हैं, हिन्दू तिलक लगाकर स्कूल जा सकते हैं, ईसाई पादरियों जैसी ड्रेस में स्कूल जा सकते हैं तो फिर हिजाब को लेकर इतना हाय हुल्ला क्यों? मुस्लिम धर्म गुरुओं का कहना है कि इस वर्तमान तलाक के मामले में यह तलाक़ मुस्लिम कानून के अनुसर हुआ है, तो गुजारे भत्ते का कोई नियम मुस्लिम कानून के अनुसार ही चलना चाहिए । अब देखें कि विपक्ष इस पर क्या रुख़ अपनाता है । असल में भारत के मुसलमानों की अपनी चिंता है ।

फिर आतंकी हमलें,सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

ललित गर्ग

ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है। ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संत्पत परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें। डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले 'कश्मीर टाइगर्स' जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है। पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है। कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है।

महाराष्ट्र के राजभवन में 'तमिलनाडु के मोदी

उमेश चतुर्वेदी

1998 और 1999 के आम चुनावों में बीजेपी उम्मीदवार के रूप में तमिलनाडु की कोयंबटूर सीट से लोकसभा पहुंच चुके सीपी राधाकृष्णन को दक्षिण भारतीय जहां सीपी के नाम से जानते हैं, वहीं उत्तर भारत में अब वे राधा जी के नाम से भी जाने जाते हैं। राजनीति के केंद्र में स्थापित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व विराट होकर उभरा है, इसके साथ यह भी सच है कि उनकी खास पहचान उनकी दाढ़ी है। साल 2013 में जब बीजेपी ने मोदी को प्रधानमंत्री पद का अपनी ओर से दावेदार बनाया था, उन्हीं दिनों एक तमिल टीवी पर चर्चा में तमिलनाडु के बीजेपी का एक चेहरा भी शामिल हुआ था। उस नेता ने अपनी पार्टी का दमदार तरीके से पक्ष रखा। उसका कार्यक्रम का ऐसा प्रभाव रहा कि उन्हें दर्शकों ने तमिलनाडु के मोदी के रूप में पुकारना शुरू कर दिया। तमिलनाडु के वही मोदी अब महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। जी हां, आपने ठीक समझा, तमिलनाडु के लोग सी पी राधाकृष्णन को तमिलनाडु के मोदी के रूप में भी जानते हैं। 1998 और 1999 के आम चुनावों में बीजेपी उम्मीदवार के रूप में तमिलनाडु की कोयंबटूर सीट से लोकसभा पहुंच चुके सीपी राधाकृष्णन को दक्षिण भारतीय जहां सीपी के नाम से जानते हैं, वहीं उत्तर भारत में अब वे राधा जी के नाम से भी जाने जाते हैं। शुद्ध शाकाहारी और पूजा-पाठ में श्रद्धा रखने वाले सीपी राधाकृष्णन को पहली बार महत्वपूर्ण राजकीय पद साल 2023 में मिला, जब उन्हें मोदी सरकार ने झारखंड का राज्यपाल मनोनीत किया। 12 फरवरी 2023 का दिन उनके लिए खुशी और निराशा, दोनों का मौका बनकर आया। जब मोदी सरकार ने उन्हें

खनिज और प्राकृतिक संपदा से भरपूर झारखंड राज्य का राज्यपाल का दायित्व मिलना मामूली बात नहीं, लेकिन 66 साल की उम्र राजनीति में बहुत ज्यादा नहीं मानी जाती। सीपी इस बात से किंचित निराश थे कि अब उन्हें सक्रिय राजनीति से दूर होना पड़ेगा। वैसे सीपी की दिली चाहत सक्रिय राजनीति में रहते हुए महत्वपूर्ण राजनीतिक दायित्व को निभाना रहा है। सीपी राधाकृष्णन की बीजेपी की राजनीति में क्या अहमियत है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीते आम चुनावों से ठीक पहले जब तेलंगाना की राज्यपाल तमिलसाई सोंदरराजन ने इस्तीफा देकर चेन्नई से चुनाव लड़ने का फैसला किया तो तेलंगाना के राज्यपाल का प्रभार सीपी को ही मिला। इतना ही नहीं, उन्हें पुदुचेरी के उपराज्यपाल की भी जिम्मेदारी दी गई। एक साथ तीन-तीन राज्यों के राज्यपाल की जिम्मेदारी बहुत कितने लोगों को मिल पाई है? सीपी राधाकृष्णन का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां कांग्रेस का बोलबाला था। उनके चाचा कोयंबटूर से कांग्रेस के लोकसभा सदस्य रहे। सीपी बताते हैं कि पहली बार वे दिल्ली अपने चाचा के पास ही आए थे और उनके घर पर रहकर ही दिल्ली देखी थी। चार मई 1957 को तमिलनाडु के त्रिपुर में जन्मे राधाकृष्णन कांग्रेसी पारिवारिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद कांग्रेस की बजाय समाजवादी युवा आंदोलन से जुड़े। जनता पार्टी के दौर में तमिलनाडु में पार्टी अध्यक्ष रहे इरा सेझियन से सीपी राधाकृष्णन का गहरा नाता रहा। 1983 की जनवरी में तत्कालीन जनता पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर ने भारत यात्रा शुरू की थी। तब तमिलनाडु में उनकी यात्रा से जुड़े आयोजनों की व्यवस्था में 28 वर्षीय युवा सीपी ने अहम भूमिका निभाई। तब चंद्रशेखर की उन पर नजर पड़ी। बाद में रोजगार के लिए होजरी के कारोबार से जुड़े सीपी का नाता शरद यादव से भी रहा। राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार के दौरान शरद यादव कपड़ा राज्यमंत्री थे। उन दिनों उन्होंने कोयंबटूर का दौरा किया था, तब शरद यादव के लिए सीपी ने भोज दिया था। बाद के दिनों में सीपी भाजपा से जुड़ गए और देखते ही देखते भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बना दिए गए। उनकी अध्यक्षता में ही बीजेपी ने 1998 और 1999 का चुनाव लड़ा और चार सीटों पर जीत हासिल की। पहली बार जहां पार्टी का जयललिता की एआईडीएमके से समझौता था तो दूसरी बार डीएमके के साथ पार्टी चुनाव मैदान में उतरी। यह बात और है कि उन्हें बाद में चुनावी जीत हासिल नहीं हो पाई। 2004, 2014 और 2019 के चुनावों में उन्हें पार्टी ने लगातार कोयंबटूर से उम्मीदवार बनाया, लेकिन हर बार उन्हें हार ही मिली। सिर्फ 2009 में उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया था। सीपी राधाकृष्णन की अब व्यस्तता बढ़ गई है। अन्यथा दिल्ली में सांसद रहने के दौरान उनका घर सबके लिए खुला रहता था। सीपी राधाकृष्णन के पिता जी बेहद सहज थे। वे जीवन बीमा निगम के लिए काम करते थे। उनकी पत्नी गृहिणी हैं, जबकि बेटा मानचेस्टर से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग करके कोयंबटूर में पारिवारिक होजरी और स्पिनिंग प्रोडक्शन का कारोबार देखता है। सीपी की एक बेटी भी है। जो अपनी पारिवारिक जिंदगी में व्यस्त है। कांग्रेसी परिवार में जन्म लेकर समाजवादी धारा की राजनीति के जरिए बीजेपी में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराते हुए देश की आर्थिक राजधानी के राजभवन पहुंचना मामूली बात नहीं है। मौजूदा माहौल में महाराष्ट्र की राजनीति राज्यपाल के बेहद चुनौतीपूर्ण है। अगर थोड़ी भी ऊंचनीच हुई तो राज्यपाल पर ही सबसे भार होगा। देखना है कि सीपी आने वाली चुनौतियों का सामना करते हैं...

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शनिवार 03 अगस्त 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

सेवानिवृत्त कर्मचारी को कलेक्टर ने पेंशन प्राधिकार पत्र

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने जुलाई माह में सेवानिवृत हुई श्रीमती देवली ठाकुर के घर पहुंच कर उनको साल श्रीफल देकर सम्मानित करते हुए उनका पीपीओ प्रदान किया। सेवानिवृत श्रीमती ठाकुर कमला नेहरू अनुसूचित जनजाति छात्रावास में भृत्य पद पर थी। जिनका 5 माह पूर्व हुए एक्सीडेंट में कमर और जांघ में रॉड लगने की वजह चलने में असमर्थ होने की स्थिति में पेंशन प्राधिकार पत्र लेने जिला कार्यालय नहीं पहुंची थी। कलेक्टर को इसकी जानकारी मिलने पर स्वयं उनके घर पहुंचकर पीपीओ प्रदाय करने की बात कही और सदर वार्ड स्थित श्रीमती देवली ठाकुर के घर पहुंचकर पीपीओ प्रदाय किया।

इससे पूर्व कलेक्टर ने जिला कार्यालय के आस्था कक्ष में आयोजित समारोह में कहा कि शासन की पहल से प्रत्येक माह सेवानिवृत्त हो रहे जिले के शासकीय सेवकों को उनकी शासकीय सेवा काल के समाप्ति के समय पर ही पीपीओ जारी करने का सार्थक प्रयास विगत 13 महीने से किया जा रहा है। लगातार समय-सीमा की बैठक में समीक्षा और संबंधित विभागों के अधिकारियों को सेवानिवृत्त के लिए आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करने के बाद अब प्रक्रिया सतत हुई है। इसके लिए कोषालय और कोष, लेखा एवं पेंशन कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी बधाई के पात्र हैं साथ ही दोनों कार्यालय द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों का पीपीओ जारी करने की दिशा में उत्साह और सक्षमता के साथ पहल किया जा रहा है। प्रशासन की कोशिश है कि सेवानिवृत्ति के साथ ही सम्बंधित शासकीय सेवकों को लंबे समय तक शासकीय सेवा के परिश्रम का सभी स्वत्वों का समय पर भुगतान किया जाए। उन्होंने कहा कि लम्बी अवधि तक शासकीय सेवा देने के उपरांत सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारी अपने शासकीय सेवा के अनुभव और सीख का सदुपयोग समाज के लिए करें। सभी शासकीय सेवक नौकरी के दौरान स्वयं के लिए, परिवार और समाज के लिए समय नहीं निकाल पाए होंगे, वे सेवानिवृत्त होने के पश्चात भी सक्रिय रहकर स्वयं एवं परिवार और समाज को समय देवें। अपने दीर्घानुभव का लाभ विशेषकर युवाओं को सीख के रूप में देवें।

कलेक्टर ने कहा कि पदीय दायित्व का निर्वहन करते हुए सेवानिवृत्त हो रहे शासकीय सेवकों को सम्मान देने का यह अवसर गौरवान्वित होने का पल है बुजुर्ग साथी हमें आशीर्वाद दें। शासन-प्रशासन ने जिले के सभी विभागों से सेवानिवृत्त होने वाले सेवकों का ज्यादा से ज्यादा पेंशन से संबंधित प्रकरणों का समय पर निराकरण का प्रयास कोषालय और कोष, लेखा पेंशन कार्यालय के द्वारा किया जा रहा है और लगातार अधिक से अधिक पेंशन प्रकरणों में सेवानिवृत्ति के दिन ही पीपीओ जारी करने का कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे शासकीय सेवकों की स्वस्थ और सुखमय एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

कलेक्टर ने शुक्रवार को जिला कार्यालय के आस्था सभाकक्ष में माह जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को पुष्पमाला एवं शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किए। वहीं इन सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को पीपीओ पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री संजय सोनवानी ने बताया कि जुलाई माह में सेवानिवृत्त 31 शासकीय सेवकों में से 21 को पेंशन प्राधिकार पत्र जारी की गई है। शेष का आवश्यक कार्यवाही के बाद जल्द पीपीओ जारी कर दिया जाएगा। इस अवसर पर कार्यालय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन से उप संचालक भारती कोर्राम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री जीआर सोरी सहित जिला कोषालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारी और सेवानिवृत्त शासकीय सेवक मौजूद थे। इस अवसर पर सेवानिवृत्ति हो रहे शासकीय सेवकों ने भी अपने अनुभव को साझा किया और शासन-प्रशासन के द्वारा सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लिए सम्मान कार्यक्रम आयोजन को सराहनीय पहल निरूपित करते हुए आभार व्यक्त किए। इस दौरान सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक श्री लखेश्वर कुदराम ने बस्तर की कला-संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु बादल एकेडमी आसना को स्वयंसेवी कलाकार के रूप में निरंतर सेवा देने की मंशा व्यक्त की।

जीवन में धर्म प्राप्ति के लिए विशेषज्ञता होना बहुत जरूरी है मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी

आत्मोल्लास चातुर्मास 2024

जो द्रव्यादि पदार्थों के गुण दोषों को बिना पक्षपात के समझ सके वह विशेषज्ञ कहलाता ह

रायपुर। विवेकानंद नगर स्थित श्री संभवनाथ जैन मंदिर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 की प्रवचन माला में शुक्रवार को रायपुर के कुलदीपक तपस्वी रत्न मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने कहा कि आप किसी भी चीज के वर्तमान स्वरूप को देखते हो पुद्गल के भावी सड़ने और गलने के स्वभाव को जानकर समझोगे और राग द्वेष से परे होकर रहोगे तब आपके जीवन में विशेषज्ञता आएगी और धर्म की आपको प्राप्ति होगी। धर्म का सबसे पहले साधन शरीर है,शरीर को संभालना जरूरी है। इसके लिए आहार ग्रहण करना भी जरूरी है लेकिन शरीर की स्वस्थता बनी रहे और राग द्वेष की परिणती से भी बचे रहे, इस प्रकार के आहार को ग्रहण करे। यह जीवन में विशेषज्ञता होने से होगा ।

जीवन में अहंकार का त्याग करो : मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी

ओजस्वी प्रवचनकार मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने आज की प्रवचन माला में कहा कि हम जीवन में अहंकार को लेकर घूमते हैं। किस चीज का अहंकार है, यह सोचनीय है। हमारे पास ऐसा क्या है ? यदि सोचते हैं कि बहुत पैसा है,बहुत रूप है, बहुत अच्छा प्रवचन है तो दुनिया भर में नजर घुमाएंगे तो हमें अपनी हैसियत पता चल जाएगी। फिर किस बात का अहंकार है !

मुनिश्री ने कहा कि एक युवक सद्गुरु से मिलने आश्रम पहुंचा तो सद्गुरु ने पूछा कौन है ? युवक ने कहा मैं हूं, ऐसा बार-बार हुआ तो सतगुरु ने कहा मैं को बाहर रख कर अंदर आओ। यदि परम तत्व की प्राप्ति करनी है तो आपको अपने आपको पहचानना होगा, मैं का त्याग करना होगा। इस दुनिया में वही तुच्छ है जो दूसरों को तुच्छ समझने की भूल करता है। जो ये सोचता है कि दुनिया में मैं ही सर्वश्रेष्ठ हूं बाकी सब तुच्छ है तो यह दिमाग में भरी हुई तुच्छता ही है।

शनिवार को होगा विशेष प्रवचन

चातुर्मास की प्रवचन माला में शनिवार को ओजस्वी प्रवचनकार मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. का विशेष प्रवचन होगा। जारी सिद्धि महातप की महत्ता को बताते हुए सिद्धि तप के 8 गुणों ,सिद्ध परमात्मा के आठ गुणों के बारे में बताया जाएगा। ये गुण हमारे अंदर कैसे प्रकट होते हैं यह विशेष प्रवचन के माध्यम से पता चलेगा।

विश्वास से बड़ी कोई शक्ति नहीं : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) में विराजमान है। शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा करने हेतु भक्तगण दूर दूर से प्रभु व गुरु चरणों में पहुंच रहे हैं । पूज्य माताजी के 53 वें अवतरण दिवस पर शांतिप्रभु के चरणों में शांतिधारा करने का अवसर निर्मल बाझल सिवनी वालों ने प्राप्त किया । सभी भक्तों ने पूज्य गुरु माँ के पाद - प्रक्षालन , शास्त्र भेंट व वस्त्र भेंट आदि कर पूज्य माताजी जा आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही अपने पुण्य की अनुमोदना कर आत्मीय सुख को प्राप्त किया । माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - किसी भी काम मे सफल होने के लिए सबसे जरूरी है आत्मविश्वास । विश्वास से ब?ी और कोई शक्ति नहीं होती । जो व्यक्ति जीवन में असफल होने की हिम्मत रखता है और निराश नहीं होता है वह जीवन में ब?ी ब?ी उपलब्धियां हासिल करता है । अगर हमें पहली बार में सफलता नहीं मिलती है तो हमें निराश नहीं होना चाहिए । क्योंकि बार बार प्रयास करने वाले लोग ही शिखर पर पहुँचते हैं । आगामी 4 अगस्त 2024 को पूज्य माताजी का 53 वां अवतरण दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया जायेगा ।

विश्व की संपूर्ण बेटीयों को राजुल की कथा सुनना चाहिए : दिगंबराचार्य विशुद्ध सागर महाराज

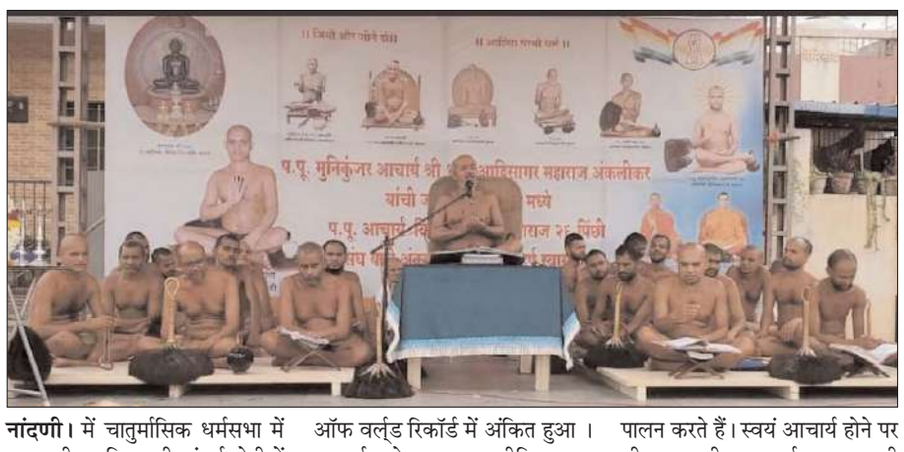

नांदणी। में चातुर्मासिक धर्मसभा में कहा की - विश्व की संपूर्ण बेटीयों को राजुल की कथा सुनना चाहिए द्य राजुल को माँ समजा रही हैं द्य राजुल को पिता मना रहे हैं द्य हे बेटी नेमीनाथ स्वामी से तेरे सात फेरे नहीं पडे अभी, अभी तुम कुवांरी कन्या हो द्य राजुल ने कहा की - मैंने मात्र अपने जीवन में पती नेमीनाथ स्वामी जी को ही चुना हैं द्य किसी के साथ चली भी गई मैं तो मेरा चित्त कलंकित हो जायेगा द्य जो मार्ग नेमीनाथ स्वामी जी ने स्वीकार किया था, वही मार्ग राजुल ने स्वीकार करलिया द्य जब भी तीर्थंकर नेमीनाथ स्वामी जी का नाम लिया जाता है, तब गिरनार में राजुल की कथा भी बडे प्रेम से लोग बोलते हैं द्य राजुल ने एक गुफा में बैठकर के, आर्यीका व्रत धारण करके, संयम का पालन करके, सोलह सुख को प्राप्त कर लिए द्य और नेमीनाथ स्वामी ने घनघोर तपस्या कर के निर्वाण को प्राप्त कर लिया द्य इसलिये आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ने कन्याओं से कहा की - नहीं तुम ले सको शिक्षा, कम से कम बेटीयो ऐसी शिक्षा पाना की, माता - पिता के कहे बिना गैरो के घर नही जाना द्य बेटीयों आप की रक्षा ही जैन धर्म की रक्षा हैं।

वस्तुत्वङ्कमहाकाव्य के लिए सबसे अधिक काव्य वाला महाकाव्य हेतु लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अवार्ड द्य

कर्म विपाक नामक काव्य रचना जो केसर की स्याही से लिखा गया हस्तलिखित प्रथम ग्रंथ उसके लिए आचार्य भगवन का नाम लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अंकित हुआ । सत्यार्थ बोध अद्भुत नीति शास्त्र (हिंदी/अंग्रेजी) के लिए डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानक उपाधि से द्वारा सम्मानित सन 2023 में। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा 2023 बड़ौत चातुर्मास के अंतर्गत उ.प्र. राज्यकीय अतिथि का दर्जा प्राप्त । वर्तमान में ताड़पत्र पर सम्यक् नीति ग्रंथ सम्मेद शिखरचार्तुमास (2021) में लिखने वाले प्रथम आचार्य। जुलाई 2024 तक सबसे अधिक पंचकल्याणक (146) एवं सबसे अधिक प्रतिमाओं को सुरी मंत्र देने वाले आचार्य प्रवर 2023 तक सबसे अधिक एवं सबसे तीव्र गति से संपूर्ण भारत वर्ष में विहार करने वाले आचार्य प्रवर 2024 तक लगभग 10 प्रदेशों में लगभग 100000 कि. मी. की पद यात्रा करने वाले महानतम् आचार्य । आचार्य श्री ने 2023 तक 58 मुनि दिक्षाएँ दी है एवं उनमे से 54 मुनि बाल ब्रह्मचारी है। महानतम ख्याति प्राप्त आचार्य होने पर व्यस्ततम दिनचर्या में भी निरंतर लेखनी के द्वारा जिन शासन को समृद्ध कर रहे हैं। आचार्य प्रवर संघ के सभी मुनिराजों एवं ब्रह्मचारियों के निमित्त से दिन में 17-18 कक्षाएं तक लेते हैं जिसमें व्याकरण, बाल बोध,चारों अनुयोग,अध्यात्म, न्याय, नीति नय, सिद्धांत आदि सभी होते हैं। आजीवन नमक, भूरा, तेल, दही ऐसे 3 रसों का त्याग होने के साथ, मात्र दो अन्न ही लेने का नियम है। तीनों अष्टान्हिका, पर्यूषण के 10 दिन, अष्टमी-चतुर्दशी के दिनों में बड़े से बड़े कार्यक्रम/पंचकल्याणक आदि होने पर भी अखंड मौन व्रत का पालन करते हैं। स्वयं आचार्य होने पर भी आज भी गणाचार्य भगवान की आज्ञा-नुवर्ती हैं। कभी भी स्वयं की वैयावृति हेतु नैपकिन, तेल आदि का प्रयोग नहीं आचार्य प्रवर का आर्यिका दीक्षा देने का त्याग है। संघ में कोई ब्रह्मचारिणी दीदी को प्रवास की आज्ञा नहीं है। बचपन में आचार्य श्री (राजेंद्र लला) खेलने इसलिए नहीं जाते थे क्योंकि उन्होंने सुन रखा था कि अंग भंग होने पर दिगंबर मुनि नहीं बन सकते। बाल्यावस्था में भगवान की वेदी पर नग्न होकर बैठ गए और कहने लगे । मैं भी भगवान हूं। 12 वर्ष की अल्पायु में शूद्र जल का त्याग होने से रूर से भिंड , मुनिराजों को आहार देने के लिए बुलाया जाता था। 12-13 वर्ष की आयु में आचार्य विराग सागर जी के दर्शन के लिए गांव से व्यापार का सामान लेने भिंड नगर आ जाया करते थे। उमरी में विद्यालय में एक घायल गिलहरी को णमोकार मंत्र सुनाकर मानो प्राण दान दिए हो। रखे हुए अनाज, खलियान में आग लगने पर धूल को णमोकार मंत्र से मंत्रित कर उस भीषण आग को नियंत्रित कर गांव वालों को चमत्कारिक कर दिया। बचपन में 10-11 वर्ष की आयु में छत पर जैन रामायण (पद्म पुराण) की वाचना कर जैनेत्तर बांधों को भी सुनाया करते थे । देश के कई राज्यों में पद विहार करते हुए नमोस्तु शासन को जयवंत करने वाले महायोगी आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज हैं ।

शब्दांकन - अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापूर

दुर्गापुरा दिगम्बर जैन मंदिर में शुरु हुआ दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के पदाधिकारियों ने किया अवलोकन

जयपुर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री द्वारा राखी फेस्टिवल के सुअवसर पर दुर्गापुरा जैन मंदिर परिसर में तीन दिवसीय ट्रेड फेयर लगाया गया है। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के पदाधिकारियों ने राखी, गिफ्ट के आइटम, खाने की वस्तुएं आदि की करीब 70 स्टाल्स का अवलोकन किया! दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री की ओर से अतुल बिलाला, रविन्द्र अजमेरा, नवनीत सोगानी आदि ने सभी पदाधिकारियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। फेयर में सभी आइटम्स महिलाओं द्वारा बनाये गये हैं जो वाजिब दाम पर उपलब्ध हैं। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जिला महामंत्री सुभाष बज,सांगानेर सम्भाग अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया, समाजसेवी सुरेंद्र जैन बडजात्या व अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने फेयर का अवलोकन कर महिला उत्थान के लिए आयोजित इस आयोजन सराहना की

भगवान की भक्ति करते समय जिनालय में भक्तों को दर्शन अभिषेक पूजन में बाधा नहीं होनी चाहिए : आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज

पारसोला। श्रावक कैसा होना चाहिए श्रावक की क्या परिभाषा है श्रावक को श्रद्धावान, विवेकवान रहकर क्रिया करना चाहिए इसकी विवेचना अभी आर्यिका माता जी के प्रवचन में आपने सुनी ।श्रद्धा धर्म की जड़ है जड़ के बिना जिस प्रकार वृक्ष खड़ा नहीं रह सकता है इस प्रकार धर्म रूपी वृक्ष के लिए श्रद्धा का होना जरूरी है वर्तमान में शासन द्वारा भी सभी जगह वृक्षारोपण किया जा रहा है पारसोला में भी आचार्य शांति सागर जी उद्यान में हमने भी वृक्षारोपण किया वृक्ष के बीजारोपण के बाद उसकी देखभाल जरूरी है बीजारोपण के पूर्व यह देखा जाता है की धरती उपजाऊ है या नहीं वृक्षारोपण की देखभाल उचित होने से वह वृक्ष बड़ा होता है घर में जब एक बालक का जन्म होता है उसे भी आप संभालते हैं ,देखरेख करते हैं उसकी सुरक्षा करते हैं, इसी प्रकार धर्म के बीज को संत समागम से आप लोग लगाते हैं उसे समय-समय पर सीचना, देखभाल करना, उसकी सुरक्षा जरूरी है। देव शास्त्र गुरु की भक्ति से ही धर्म रूपी बीज

का बीजारोपण होता है उसको समय-समय पर उसका अंकुरण देखना जरूरी है कि वह वृद्धि को प्राप्त हो रहा है या नहीं धर्म के बीज से भी आपके गुणों में वृद्धि हो रही या नहीं, कृषक किसान भी बीज बोने के पश्चात उसके आसपास निंदाई करता है, सिंचाई करता है अनावश्यक पौधे जो इसकी वृद्धि को रोकते हैं उसे हटाता है तब जाकर फल वृक्ष में लगते हैं। एक कथा के माध्यम से आचार्य श्री ने बताया कि एक संत ने दो कमंडल के माध्यम से शिक्षा दी जिस कमंडल में छेद था वह डूब गया किंतु जिसमें छेद नहीं था वह तैरता रहा इससे यह शिक्षा मिलती है कि आपका मनुष्य जीवन भी कमंडल की भांति है संसार समुद्र से अगर आपको पार होना है तो कर्मों का संवर रोकना होगा कर्मों की निर्जरा करनी होगी तब जाकर आप तैर कर संयम से रत्नत्रय धर्म से संसार समुद्र से पार हो सकते हैं । यह मंगल देश नाम पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने पारसोला की धर्म सभा में प्रकट की। राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने बताया कि धर्म का मूल अहिंसा है और अहिंसा के पालन करने के लिए संयम जरूरी है अहिंसा और संयम को तपस्या के माध्यम से जीवन को संभालने की जरूरत है

।जिन कर्म से कर्मों का आश्रव हो रहा है उसे द्वार, मार्ग, क्रिया को, आचरण को दूर करना होगा। जिससे नवीन कर्मों का आश्रव नहीं हो। संगीत पर चर्चा करते हुए आचार्य श्री ने बताया कि संगीत गीत के साथ सम उपसर्ग लगा है अर्थात निर्दोष गीत ही संगीत होता है। आप लोग भगवान के दर्शन स्तुति पूजन करते हैं पूजन भक्ति करते समय आपकी आवाज इतनी अधिक होती है । कि अन्य भक्तों को दर्शन, अभिषेक, पूजन ,स्वाध्याय ,जप करने में असुविधा होती है वह अपना पाठ भूल तक जाते हैं। इसलिए मंदिर में श्रद्धा के साथ विवेक का ध्यान रखना जरूरी है तभी आपके कर्मों का आश्रव नहीं होगा धर्म की क्रियो से लाभ रूपी पुण्य अर्जित होना चाहिए भगवान के गुणों की स्तुति करते समय उनके जैसा बनने की भावना करना चाहिए ।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद सुरसुंदरी संभाग शाखा जतारा ने वृक्षारोपण किया गया

जीवन का आधार है वृक्ष
धरती का श्रृंगार है वृक्ष
प्राणवायु दे रहे सभी को
ऐसे परम उदार है वृक्ष

जतारा। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद सुरसुंदरी संभाग शाखा जतारा द्वारा, कुंड पहाड़ी के पास स्थित छात्रावास में एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण संपन्न किया गया । हम सभी जानते है, की वृक्ष न सिर्फ हमारी धरती को हरा भरा रखते है बल्कि हमारे जीवित रहने में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है । कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी के कारण कितने ही लोगों ने अपनी जान गवा दी अत- हम सभी को वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए । परम पूज्य निर्यापक संत 108 श्री सुधा सागर जी महाराज भी बोलते हैं कि हर मनुष्य को अपने जीवन में छह वृक्ष अवश्य लगाने चाहिए, भले ही वृक्ष बूढ़े होने पर फल ना दें लेकिन छाया तो हमेशा ही देते रहते हैं । हमें पेड़ों को काटने से बचाना चाहिए और पेड़ लगाने का प्रयास अधिक से अधिक करना चाहिए।

भारतीय जैन संगठन तहसील अध्यक्ष अशोक कुमार जैन ने बताया कि नगर की अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद सुर सुंदरी संभाग शाखा जतारा की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली जैन, सचिव श्रीमती वर्षा चंदेरा एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती रूपल सिंघई ने अपनी शाखा की समस्त बहनों द्वारा छात्रावास में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया जिसमें परिषद की सभी बहनों ने जामुन, नीबूं , चीकू, आम, मीठी नीम, आमला, नीम आदि के पौधे लगाए और कहा कि आगे भी इसी तरह वृक्षारोपण करते रहेगे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में श्रीमती ज्योति जैन, साक्षी जैन, उर्वशी जैन ,मोनिका जैन, वंदना जैन,शालिनी जैन,वर्षा कोठादार एवं छात्रावास के बच्चों सहित प्रांतीय जन संपर्क समस्त महिला मंडल उपस्थित रहा।

पर्यावरण का यह श्राप है
पेड़ काटना बहुत बड़ा पाप है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 03 अगस्त 2024

संक्षिप्त समाचार

ब्राउन शूगर के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले की थाना सिटी कोतवाली एवं सायबर सेल ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए दो ब्राउन शुगर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 50हजार रूपये कीमत का 100 पुडिया, 9497 मिली ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक राजनादगांव मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों अवैध गांजा, शराब के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। कि इसी क्रम में दिनांक 1/08/2024 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ ब्राऊन शुगर रखकर राजनांदगाँव लखोली बाईपास के आसपास घूम रहे हैं। कि सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी कोतवाली एमन साहू एवं जिला सायबर सेल प्रभारी विनय परमार राजनांदगांव के नेतृत्व में संयुक्त रूप से टीम गठित कर मौके पर पहुचकर घेराबंदी कर रेड किया गया। जहाँ दो व्यक्ति संदिग्ध रूप से मिले जिनसे नाम पता पूछने पर अपना नाम दीपेश साहू पिता स्व सुनील साहू उम्र 36 वर्ष निवासी संतरा बाड़ी स्टेशन रोड वार्ड नंबर 26 थाना मोहन नगर जिला दुर्ग तथा योगेश विश्वकर्मा पिता राजेश विश्वकर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी बुद्ध विहार गली नंबर 05 शंकरनगर वार्ड नंबर 09 थाना मोहन नगर जिला दुर्ग का होना बताया। संदेहियों की तलाशी लेने पर दीपेश साहू के कब्जे से एक वीवो कंपनी का स्कीनटच मोबाईल एवं एक पारदर्शी जिप पन्नी के अंदर 45 नग कागज की पुडिया में 4672 मिली ग्राम मादक पदार्थ ब्राऊन शुगर एवं योगेश विश्वकर्मा के कब्जे से एक वीवो कंपनी का स्कीनटच मोबाईल एवं एक पारदर्शी जिप पन्नी के अंदर 55 नग कागज की पुडिया में 4825 मिली ग्राम मादक पदार्थ ब्राऊन शुगर दोनो मिलाकर कुल 100 पुडिया मात्रा 9497 मिली ग्राम मादक पदार्थ ब्राउन शुगर पाया गया जिसे मौके पर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। मामले में आरोपियो के खिलाफ धारा-21 एनडीपीएस एक्ट अतर्गत दण्डनीय अपराध होना पाये जाने से आरोपियो के खिलाफ अपराध कमांक 471/24 धारा:-21 एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध किया गया एवं गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

शराबी डॉक्टर शीतल दुग्गा को कलेक्टर ने किया बर्खास्त

कांकेर(विश्व परिवार)। कोयलीबेड़ा स्वास्थ्य केंद्र के शराबी डॉक्टर शीतल दुग्गा को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है. इसका आदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक ने जारी किया. बता दें कि डॉ. दुग्गा ने नशे की हालत में मासूम के इलाज से इंकार किया था. इसके चलते मासूम की मौत हुई थी। डॉ. शीतल दुग्गा ने बच्चे के परिजनों से नशे में दुर्व्यवहार भी किया था. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. बता दें कि कोयलीबेड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 6 डॉक्टर पदस्थ हैं। वर्तमान में सिर्फ एक डॉक्टर के भरोसे अस्पताल संचालित किया जा रहा। स्टाफकम होने के बावजूद अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर शीतल दुग्गा शराब के नशे में धुत रहता है। बच्चे की मौत के बाद परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने मरीज को देखे बिना ही रेफ्र कर दिया. प्राथमिक उपचार मिलता तो बालक की जान बच सकती थी. इस घटना के कुछ देर बाद जब डॉक्टर को तलाश किया गया तो वह सड़क पर नशे में धुत मिला, जिसका ग्रामीणों ने वीडियो बनाया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा. इस वीडियो में बातचीत कर रहे लोगों से डॉक्टर अभद्रता कर गाली-गलौज कर रहा है।

सीपीआई ने स्ट्रीट लाइट की समस्या से आयुक्त को कराया अवगत

कोरबा(विश्व परिवार)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव पवन कुमार वर्मा ने नगर निगम आयुक्त से मुलाकात की। उन्हें अवगत कराया कि सीपीआई द्वारा 2022 से कोरबा जिले की स्ट्रीट लाइट की समस्या को उठाया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 40 नेहरू नगर बालकों में स्ट्रीट लाइट 4 साल पहले लगा था। तब से लेकर आज तक 24 घंटे जलते रहता है। कई बार शिकायत करने के बाद भी समय समय पर स्ट्रीट लाइट को बंद व चालू करना मुनासिब नहीं समझा। गैर जिम्मेदारी के कारण बिजली की बहुत बड़ी क्षति हो रही है, लेकिन संबंधित अधिकारी के द्वारा इसे गंभीरता से नहीं लिया गया है। जिसके कारण कई स्ट्रीट लाइट खराब हो गए हैं। श्री वर्मा के अनुसार आयुक्त ने उन्हें बताया कि स्ट्रीट लाइट में टाइमर लगता है और उसके लिए निगम के पास बजट नहीं है। जो लाइट खराब हो गया है उससे दिखवाती हूं। श्री वर्मा का कहना है कि शासन से आग्रह है कि निगम को अतिरिक्त फंड की व्यवस्था कराई जाए, जिससे जिले की स्ट्रीट लाइट सुधार किया जाए एवं उसमें टाइमर लगाने की व्यवस्था हो पाए।

सपने ऐसे हों, जो रात को सोने ना दे-कलेक्टर नम्रता गांधी

कलेक्टर ने जिले के 10 स्कूलों के 20 विद्यार्थियों से की रू-ब-रू चर्चा

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मिली जानकारी को बच्चों ने किया अधिकारियों से साझा

धमतरी(विश्व परिवार)। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा विभाग, रेडक्रॉस द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार किया जा रहा है। इसके तहत बीते दिनों जिले में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रेडक्रॉस और यूनिसेफ के सहयोग से शासकीय स्कूलों में कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रिंटिंग सामग्रियों के जरिए खेल गतिविधि, भावना चक्र, भावनात्मक पाबंदी, भावनाओं को कैसे नियंत्रण करना, किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को समझना सहित आत्म जागरूकता और प्रेरणात्मक कहानियों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान इन स्कूलों में विद्यार्थियों को मास्टर ट्रेनर्स के तौर पर चयनित किया गया, जो कि आगामी दिनां में हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूल और मिडिल स्कूलों सहित पालकों को भी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी देंगे। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने आज अपने निवास पर इन 10 स्कूलों के 20 विद्यार्थियों से मिलकर रू-ब-रू चर्चा कीं और मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में उनके द्वारा सीखे गए बातों और उनकी पढ़ाई इत्यादि के बारे में पूछा। इन बच्चों में धमतरी विकासखण्ड के डॉ.शोभाराम देवांगन स्कूल, नत्थुजी जगताप नगरनिगम स्कूल सेजेस बठेना, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संबलपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देमार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरेतरा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली, विकासखण्ड कुरूद स्थित सेजेस कुरूद, नगरी विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलोनी और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुकरेल के विद्यार्थी शामिल हैं। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ.श्रीकांत चन्द्राकर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री टी.आर.जगदल्हे, संबंधित स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षकवृंद और अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। रू-ब-रू कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री गांधी द्वारा मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से विद्यार्थियों को मिले फायदे के बारे में पूछने पर डॉ.शोभाराम देवांगन हायर सेकेण्डरी स्कूल के कक्षा बारहवीं विज्ञान विषय के छात्र पुष्पेन्द्र कुमार ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में उन्हें काफी लाभ मिला है। अब वे परीक्षाओं के दौरान भी तनावमुक्त रहकर सोते हैं और अपनी पढ़ाई पर फोकस करते हैं। छात्र ने कहा कि हम अपने मन की बात को अपने माता, पिता, गुरूजन और साथियों के साथ साझा करेंगे, ताकि मन में किसी तरह की बात ना रहे और हमें घुटन महसूस ना हो। इससे आने वाले विभिन्न परीक्षाओं में सफलता हासिल कर पाएंगे। वहीं हायर सकेण्डरी स्कूल देमार के पुष्पेन्द्र साहू ने बताया कि उन्होंने अपने पिता से अपने मन की बात बताई, जिससे उनका तनाव कम हो गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि आप जो पढ़ाई कर रहे हो उसे अपनी जिंदगी में उपयोगी बनाएं। कलेक्टर ने कहा कि जिंदगी में पढ़ाई वेस्ट नहीं होने देती। उन्होंने कहा कि अखबार दुनिया को देखने की खिड़की है।

किसी भी कर्मचारी का मानदेय, वेतन न रुके इसका गंभीरता से पालन करें : कलेक्टर

बीजापुर(विश्व परिवार)। इन्द्रावती सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर अनुराग पाण्डेय विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सर्वप्रथम स्कूल शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा करते हुए पुन: संचालित स्कूलों में शिक्षादूतों की नियुक्ति विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं बुनियादि सुविधाओं की जानकारी ली स्कूल गणवेश, मध्यान्ह भोजन, शिष्यवृत्ति संबंधी आवश्यक जानकारी ली। कुछ रसोइयों को मानदेय नहीं मिलने की जानकारी मिलने पर डीईओ की वस्तुस्थिति से अवगत होकर संबंधित अधिकारी को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं सभी विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी कर्मचारी का मानदेय, वेतन न रुके इसका गंभीरता से पालन करें। जिला शिक्षा अधिकारी को 9वी एवं 11वीं के मेद्यावी विद्यार्थियों की सूची तत्काल तैयार करने के निर्देश दिए ज्ञात हो कि जिला प्रशासन के विशेष पहल पर पहली बार मेद्यावी विद्यार्थियों को हवाई सफर कराया जाएगा जिले के विद्यार्थी हवाई जहाज से रायपुर जाएंगे और 15 अगस्त का राज्य स्तर के कार्यक्रम को देखेंगे। घर-घर पुस्तक हर घर लाईब्रेरी जिला प्रशासन का अभिनव पहल है जिसका शुभारंभ प्रभारी मंत्री द्वारा किया गया इस अभियान के तहत जिले वासियों को उनके मनपसंद के 10 पुस्तकें प्रदाय की जाएगी जिसके लिए आवेदन फार्म सभी नगरीय निकाय एवं जनपद पंचायत कार्यालय में उपलब्ध है। इसके अलावा जिले के वेबसाईट में भी फार्म उपलब्ध है जिसे भरकर अपनी मनपसंद के पुस्तकें प्राप्त की जा सकेगी। निर्माण कार्य की गुणवत्ता को परखने आम नागरिकों के बीच सोशल आडिट कलेक्टर एवं उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में ब्लॉक स्तर पर 05 अगस्त से की जाएगी जिसमें निर्माण एजेंसी मौके पर उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने बीजापुर प्रवास के दौरान जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में निर्माण कार्यो की गुणवत्ता हेतु सोशल आडिट कराने का निर्देश दिया था। जिसके परिपालन में प्रति दिवस एक ब्लाक का सोशल आडिट किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने बाय-पास सड़क मार्ग की कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा भी किया। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास पूर्वक मनाने हेतु आवश्यक तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने की अटल टिकरिंग लैब की समीक्षा

कोंडागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग में संचालित अटल टिकरिंग लैब संचालित शालाओं के प्राचार्यों की बैठक जिला शिक्षा अधिकारी आदित्य चांडक के अध्यक्षता में की गई। बैठक के माध्यम से कोण्डागांव जिले में संचालित 10 शासकीय एवं 02 अशासकीय विद्यालयों में अटल टिकरिंग लैब की समीक्षा की गई। सभी प्राचार्यों को संचालित लैब का प्रतिदिन उपयोग करते हुए साइंस मॉडल, ड्रोन निर्माण, रोबोट निर्माण, 3डी प्रिंटर एवं स्टेम आधारित गतिविधियां कराने हेतु निर्देश दिया गया, साथ ही पोषित शालाओं के प्रधान अध्यापकों को सप्ताहांत में प्रति शनिवार को लैब में भ्रमण एवं गतिविधियां प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया। प्राचार्यों के द्वारा अवगत कराया गया कि जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बनियागांव, दहिकोंगा, आलोर, धनोरा एवं बोरगांव के विद्यार्थियों को छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालाजी दुर्ग में रोबोटिक, रेस प्रतियोगिता, ड्रोन प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की एवं प्रथम एवं द्वितीय पुरूस्कार प्राप्त किया। सभी प्राचार्यों को संचालित लैब का नियमित उपयोग एवं 05-05 विद्यार्थियों का समूह बनाकर मॉडल प्रस्तुत करने निर्देश दिया गया एवं अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में जिला स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरूस्कृत किया जायेगा। समीक्षा बैठक में समग्र शिक्षा के जिला मिशन समन्वयक महेन्द्र नाथ पाण्डे, एडीपीओ कंवलसाय मरकाम, प्रोग्रामर जितेन्द्र देवांगन उपस्थित रहे।

कलेक्टर कुणाल ने किया जनसमस्या निवारण शिविर का अवलोकन

कोंडागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बुधवार को विकास नगर स्टेडियम में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर का अवलोकन किया। यहां कोंडागांव नगर पालिका के शीतलापारा वार्ड, विकासनगर वार्ड एवं बाजार पारा वार्ड के लिए जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री दुदावत ने यहां आवेदन देने पहुंचे नागरिकों से बातचीत की। उन्होंने आवेदनों के त्वरित निराकरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने राशन कार्ड के लिए प्राप्त आवेदनों का निराकरण शिविर स्थल पर ही आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बिजली एवं जल संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए तत्परतापूर्वक कार्य का प्राक्कलन तैयार करने के लिए भी निर्देशित किया।

पहली बारिश ने खोली भ्रष्टाचार की पोल डेढ़ किमी सड़क दो हिस्सों में बंटी...

बीजापुर(विश्व परिवार)। जिस सड़क के निर्माण के दौरान जवानों ने अपनी कुर्बानी दी, वही सड़क ठेकेदार-इंजीनियर की मिलीभगत के चलते भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। गुणवत्ताहीन कार्य के चलते डेढ़ किलोमीटर की डामरीकरण सड़क पहली बारिश में ही दो हिस्सों में बंट गई। यह सड़क विशेष केंद्रीय सहायता योजना (सप्ट) के तहत बनाई गई थी। आपको बता दें कि केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार अंदुरुनी क्षेत्रों के विकास हेतु विशेष केंद्रीय सहायता योजना (सप्ट) नियाद नेल्लोनार योजना के तहत सड़क, पुल, पुलियों का निर्माण कर गांवों को मुख्य धारा से जोड़ने का हर संभव प्रयास कर रही है। इस में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार काफी हद तक सफल भी हो रही है। जिससे अंदरूनी क्षेत्र के आदिवासी ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके के लिए सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में दिन-रात सुरक्षा के साये में ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछा रही है। इन अंदरूनी सड़को को बनाने में कई जवानों की शहादत भी हुई है। जिससे सरकार और प्रशासन में बैठे लोग भी इस बात से वाकिफ हैं। जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के विशेष केंद्रीय सहायता योजना (सप्ट) के तहत हिरोली से मुतवेंडी तक 215 लाख की लागत से 10 किलोमीटर सड़क की स्वीकृति हुई है। सड़क निर्माण के लिए जिला निर्माण समिति को कार्य एजेंसी बनाया गया है। जिला निर्माण समिति के तहत उक्त सड़क बीजापुर की शिव शक्ति कंस्ट्रक्शन को निर्माण का ठेका दिया गया है और इसकी देख रेख के लिए लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर गौरव शर्मा को निगुक्त किया है। हिरोली से मुतवेंडी तक स्वीकृत 10 किलोमीटर सड़क का निर्माण का काम दो माह पहले इंजीनियर गौरव शर्मा के देखरेख में शुरू हुआ था और अब तक कुल 49.99 रुपयों की लागत 1.53 कि.मी.सड़क का निर्माण हुआ है ।बरसात के मौसम के काम होने की वजह से पहली बारिश ने सड़क की गुणवत्ता की पोल खोल दी।

कलेक्टर ने किया अंदरुरी क्षेत्रों में संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण

व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के दिए निर्देश

कोंडागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिले के अतिसंवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बुधवार को नारायणपुर जिले की सीमा से लगे गांवों का भ्रमण किया और वहां आंगनबाड़ी केन्द्र, विद्यालय, आश्रम-छात्रावास, स्वास्थ्य केन्द्र, उचित मूल्य की दुकान एवं जल जीवन मिशन के तहत संचालित कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने उमरगांव में जल जीवन मिशन के कार्य का निरीक्षण किया और उन्होंने शासन के निर्धारित मापदंड अनुसार प्रत्येक घर में जल उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए हर घर जल के प्रमाणन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने चौड़ंग स्थित उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां खाद्य सामग्री की तौल करवाई। उन्होंने यहां स्टॉक पंजी में दर्ज मात्रा और दुकान में उपलब्ध मात्रा में अंतर पाए जाने पर दुकान संचालक को बर्खास्त करने के निर्देश दिए। वहीं निगरानी में लापरवाही बरतने पर खाद्य निरीक्षक को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यहां निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन और उचित मूल्य की दुकान का निर्माण शीघ्रता से करने तथा पूर्व माध्यमिक शाला की छत के मरम्मत के लिए प्राक्कलन तैयार करने के लिए भी निर्देशित किया। कलेक्टर ने ग्राम चलका में स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां प्राचार्य को बिना सूचना के अवकाश में जाने पर अवैतनिक अवकाश घोषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस मामले में खण्ड शिक्षा अधिकारी की भूमिका को भी लापरवाही पूर्ण पाते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां बच्चों से शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में बातचीत की और बच्चों को वास्तविक संख्या, प्राकृत संख्या एवं पूर्ण संख्या के संबंध में प्रश्न पुछा। बच्चों द्वारा तुरंत उत्तर देने पर कलेक्टर ने खुशी जताई। उन्होंने बच्चों से पाठ्यपुस्तक एवं शाला गणवेश के वितरण के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने बयानार में निर्माणाधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निरीक्षण किया और कार्य की गति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने छत ढलाई का कार्य अगस्त माह तक पूर्ण करने एवं संपूर्ण कार्य को नवंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मापदण्ड अनुसार नर्सिंग स्टॉफ कक्ष एवं शौचालयों का निर्माण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बयानार में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों को परोसे गए भोजन की गुणवत्ता का अवलोकन किया। यहां बच्चों को गर्म भोजन में चावल, रोटी, दाल और आलू भिंडी की सब्जी परोसी गई थी। उन्होंने केन्द्र में आने वाले बच्चों के कुपोषण की स्थिति के संबंध में भी जानकारी ली। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि यहां चार बच्चे मध्यम कुपोषण की स्थिति में हैं। इनमें एक बच्ची कुपोषण से बाहर आ चुकी थी, किन्तु मौसमी बीमारी के कारण वह फिर से मध्यम कुपोषण की स्थिति में आ गई है। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र में आने वाले बच्चों को खेल सामग्री उपलब्ध कराने के संबंध में भी निर्देशित किया।

व्यापार समाचार

एक अगस्त से बदल जाएंगे 5 नियम, आपकी जेब पर होगा सीधा असर

नईदिल्ली(एजेंसी)। नया त्योहारी माह अगस्त शुरू होने वाला है. लेकिन क्या आपको पता है 1 अगस्त से ये पांच बड़े बदलाव आपको देखने को मिलेंगे. जिसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ने वाला है. वैसे तो हर माह की 1 तारीख को एलपीजी सिलेंडर के रेट रिवाइज होते हैं. लेकिन इस बार बताया जा रहा है कि घरेलू सिलेंडर के दामों में कुछ कटौती हो सकता है. इसके अलावा प्राइवेट सेक्टर के बड़े बैंक एचडीएफसी ने अपने सर्विस चार्ज में कुछ बदलाव किया है. बदले हुए सभी नियम 1 अगस्त 2024 से लागू कर दिये जाएंगे. आपको बता दें कि 1 अगस्त से गूगल मैप्स में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. जानकारी के मुताबिक 1 अगस्त से कंपनी अपनी सर्विस चार्ज 70त्न तक कम कर रही है. आम यूजर्स को कोई नया चार्ज नहीं देना होगा, यानी गूगल मैप्स के रोजमर्रा के इस्तेमाल पर कोई असर नहीं पड़ेगा. वैसे तो हर माह की 1 तारीख को सिलेंडर के दाम रिवाइज किये जाते हैं. लेकिन काफी टाइम से घरेलू सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. उम्मीद है कि घरेलू सिलेंडर के दामों में कुछ कटौती की जा सकती है. वहीं पिछले महीने सरकार ने 19 किलो के कमर्शियल सिलेंडर के दाम घटाए थे. ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि अगस्त महीने में भी सरकार सिलेंडर के दाम कम कर सकती है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मुताबिक अगस्त माह त्योहारी होता है. इस माह बैंक छुट्टियों की भरमार होती है. इस अगस्त भी 13 दिनों तक बैंकों की छुट्टी रहने वाली है. ऐसे में अगर बैंकिंग से जुड़े आपके काम अटके हैं तो बैंक जाने से पहले बैंक हॉलिडे लिस्ट जरूर देख लें. क्योंकि बैंकों में पूरे 13 दिन काम-काज बंद रहेगा. आपको बता दें कि आयकर विभाग ने इनकम टैक्स भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई निर्धारित की है. यदि आप इनकम टैक्स रिटर्न तय तारीख से पहले नहीं भरते हैं तो आपको 5000 रुपए तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है. अगर आपकी इनकम 5 लाख रुपये से कम है , 1,000 रुपये और अगर आपकी इनकम 5 लाख रुपये से ज्यादा है तो देरी से आईटीआर भरने पर जुर्माना ?5,000 तक हो सकता है. निजी सेक्टर का सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी 1 अगस्त से अपने कुछ सर्विस चार्जों में इजाफा करने वाला है. जानकारी के मुताबिक, क्रेडिट कार्ड से ऐप्स जैसे क्रेड, चेक, मोबिक्विक, फ्रीचार्ज आदि से रेंट देने पर 1त्न ट्रांजैक्शन चार्ज लगेगा. इसके अलावा 5 हजार रुपये से ज्यादा का एक बार में पेट्रोल-डीज़ल भरवाने पर भी 1त्न चार्ज लगेगा.

चांदी-सोने ने दिखाए तेवर

नईदिल्ली(एजेंसी)। सोने चांदी के वायदा भाव कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 69,500 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट आज 278 रुपये की तेजी के साथ 69,456 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 317 रुपये की तेजी के साथ 69,495 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 69,507 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 69,426 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 74,471 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट आज 231 रुपये की तेजी के साथ 82,890 रुपये पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 701 रुपये की तेजी के साथ 83,360 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 83,387 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 82,890 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव सुस्त पड़ गए। कॉमेक्स पर सोना 2,407.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,405 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.50 डॉलर की गिरावट के साथ 2,403.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.54 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 28.52 था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.16 डॉलर की तेजी के साथ 28.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार हरे निशान में खुला, फार्मा और एफएमसीजी शेयरों में तेजी

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुला। बाजार के ज्यादातर सूचकांकों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। सुबह 9ः18 पर सेंसेक्स 146 अंक या 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,602 और निफ्टी 34 अंक या 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,892 पर था। बाजार में रुझान सकारात्मक बना हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1507 शेयर हरे निशान में और 480 शेयर लाल निशान में बने हुए हैं। छोटे और मझोले शेयरों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 169 अंक या 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 58,792 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 60 अंक या 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,146 पर है। सेबी की ओर से फ्यूचर और ऑप्शन में कारोबार को लेकर नियम सख्त कर दिए गए हैं। जानकारों का इसको लेकर कहना है कि ये बाजार के लिए एक अच्छा कदम है। इससे लंबी अवधि के निवेश को बढ़ावा मिलेगा और बाजार में सट्टेबाजी कम होगी। फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, फिन सर्विस और मीडिया इंडेक्स हरे निशान में है। रियल्टी, एनर्जी और पीएसयू बैंक इंडेक्स लाल निशान में हैं। चॉइस ब्रोकिंग में रिसर्च एनालिस्ट देवेन मेहता का कहना है कि निफ्टी के लिए 24,800, 24,750 और फिर 24,700 एक मजबूत सपोर्ट के रूप में काम करेंगा। वहीं, 24,900 और 25,000 एक मजबूत रुकावट का स्तर है। वैश्विक बाजारों में तेजी का ट्रेंड बना हुआ है। शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता के बाजारों में तेजी है। वहीं, अमेरिकी बाजार मंगलवार को मिलेजुले बंद हुए थे।

श्रीलंका को भारत के खिलाफ वनडे से पहले तगड़ा झटका

पथिराना-मदुशंका चोट की वजह से हुए बाहर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी. इससे ठीक पहले श्रीलंका को तगड़ा झटका लगा है. टीम के दो दिग्गज खिलाड़ी चोट की वजह से टीम से बाहर हो गए हैं. मथीशा पथिराना और दिलशान मदुशंका भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे. श्रीलंका ने इन दोनों की जगह मोहम्मद शिराज और ईशान मलिंगा को टीम में जगह दी है. इसके साथ-साथ टीम ने तीन और खिलाड़ियों को स्टैंडबाय के तौर पर रखा है. दरअसल श्रीलंका को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था. अब वह वनडे सीरीज के लिए तैयार है. वनडे सीरीज का पहला मैच 2 अगस्त को खेला जाएगा. इससे पहले श्रीलंका को तगड़ा झटका लगा है. टीम को दो दिग्गज खिलाड़ी चोट की वजह से बाहर हुए हैं. मदुशंका और पथिराना भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे. श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी. राइट आर्म फास्ट बॉलर पथिराना कई मौकों पर टीम के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं. लेकिन वे वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे. पथिराना भारत के खिलाफ टी20 मैच में डाइव लगाते हुए चोटिल हो गए थे. उनके कंधे में चोट लगी है. लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर मदुशंका की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है. इस वजह से वे भी बाहर हो गए हैं. श्रीलंका ने मोहम्मद शिराज और ईशान मलिंगा को टीम में जगह दी है. वहीं कुसल जनिथ, प्रमोद मदुशन और जेफ्री वेंडरसे को स्टैंडबाय के तौर पर रखा है.

महिंद्रा ग्रुप इनोवेशन और रोजगार सृजन के लिए करेगा 37,000 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। महिंद्रा और महिंद्रा ग्रुप अगले तीन वर्षों में देश के विकास और इनोवेशन एवं रोजगार सृजन के लिए 37,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा की ओर से यह जानकारी दी गई है। आनंद महिंद्रा ने आगे कहा कि आम बजट 2024-25 में केंद्र सरकार द्वारा पेश की गई एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड स्कीमों का निजी सेक्टर को लाभ उठाना चाहिए। इससे कॉलेज से निकलने वाले युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरधारकों से कहा कि यह निजी सेक्टर और सरकार

की संयुक्त जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्र निर्माण के लिए रोजगार के अवसर पैदा करे। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का दोबारा से पुनर्गठन होने का फायदा भारत को भी मिल रहा है। भारत का विकास और समृद्धि रोजगार निहित होनी चाहिए। वित्त वर्ष 24 में रोजगार केंद्रित प्रशिक्षण और डोमेन-विशिष्ट स्किल डेवलपमेंट के जरिए महिंद्र ग्रुप ने 2.2 लाख महिलाओं तक पहुंचा है। उन्होंने आगे कहा कि रोजगार सृजन करना सरकार की प्राथमिकता है और इस कारण देश में रोजगार पैदा करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। आम बजट 2024-25 में देश में रोजगार बढ़ाने के लिए पांच स्कीमों का ऐलान किया गया है। इसके तहत अगले पांच वर्षों के कार्यकाल में 4.1 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। सरकार ने इन स्कीमों के लिए 2 लाख करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 से 29 वर्ष के युवाओं की बेरोजगारी दर में पिछले पांच वर्षों में लगातार कमी देखने को मिली है।

एक हाथ पॉकेट में दूसरा निशाने पर, 51 साल के यूसुफ डेरिक ने शूटिंग में जीता मेडल

पेरिस(एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 के छठे दिन 51 साल के एक शूटर ने कमाल कर दिया है. तुर्किए के इस शूटर ने बिना लेंस और अन्य इक्यूपमेंट के 10 मिटर शूटिंग मिक्स इवेंट में सिल्वर मेडल जीत अपने देश का नाम रौशन किया है. ये शूटर हैं यूसुफ डेरिक. उन्होंने अपनी साथी सेवल इलाया तरहान के साथ सिल्वर जीता है. सोशल मीडिया पर यूसुफ डेरिक की तस्वीर वायरल हो रही है. इस तस्वीर में वे बिना किसी विशेष उपकरण की मदद के निशाना लगाते हुए दिख रहे हैं. बिना किसी विशेष गियर के केवल चश्मा पहने हुए शूटिंग करते उनकी तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. डिकेक

ने नियमित प्रिस्क्रिप्शन चश्मा और इयरप्लग पहने थे और फिर भी अधिकांश प्रतियोगियों को हरा दिया. उन्होंने एक हाथ जेब में रखकर लाइन को रोल किया पिस्तौल को सीधा किया और एकदम सटीक निशाना लगाते हुए सिल्वर मेडल जीता. यूसुफ़ डिकेक तुर्किए के 51 वर्षीय निशानेबाज़ हैं.वे 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भाग लेते हैं. पेरिस ओलंपिक 2024 में मिश्रित टीम श्रेणी में तुर्की का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. यूसुफ़ डिकेक एक दाएं हाथ के निशानेबाज़ हैं. डिकेक 5 बार शूटिंग में ओलंपिक में तुर्की का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.

जीवन और मेडिकल इंश्योरेंस से हट सकता है जीएसटी नितिन गडकरी ने निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। इस पत्र में लाइफ और मेडिकल इंश्योरेंस पर लगने वाले जीएसटी को हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे बीमा कंपनियों पर आर्थिक बोझ कम होगा। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि लाइफ इंश्योरेंस पर लगने वाले अप्रत्यक्ष कर जीवन की अनिश्चितता पर लगने वाले कर के समान हैं। अभी लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 फीसदी के आसपास कर लगाया जाता है। गडकरी ने अपने पत्र में कहा, निर्मला सीतारमण जी नागपुर संभागीय जीवन बीमा निगम कर्मचारी संघ ने मुझे बीमा उद्योग से संबंधित मुद्दों के बारे में एक ज्ञापन सौंपा है और कहा है कि इसे मैं आपके सामने रखूं। संघ द्वारा उठाया गया मुख्य मुद्दा जीवन और

चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लेने से संबंधित है। जीवन बीमा और चिकित्सा बीमा प्रीमियम दोनों पर 18 प्रतिशत की जीएसटी लगती है। जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने के समान है। उन्होंने आगे कहा, संघ का मानना है कि जो व्यक्ति परिवार को कुछ सुरक्षा देने के लिए जीवन की अनिश्चितताओं के जोखिम को कवर करता है, उस पर इस जोखिम के खिलाफ कवर खरीदने के लिए प्रीमियम पर कर नहीं लगाया जाना चाहिए। इसी तरह, चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 फीसद जीएसटी व्यवसाय के इस क्षेत्र की वृद्धि में बाधक साबित हो रहा है, जो सामाजिक रूप से आवश्यक है, इसलिए उन्होंने जीएसटी को वापस लेने का आग्रह किया है। संघ ने जीवन बीमा के माध्यम से बचत के लिए विभेदक उपचार, स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के लिए इनकम टैक्स कटौती को फिर से शुरू करने और सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों के एकीकरण से संबंधित मुद्दे भी उठाए हैं। पत्र में आगे कहा गया है, आपसे अनुरोध है कि जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को हटाने के सुझाव पर प्राथमिकता के आधार पर विचार करें, क्योंकि यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए नियमों के अनुसार बोझिल हो जाता है, जिसमें उचित सत्यापन के साथ-साथ अन्य प्रासंगिक बिंदु भी उठाए गए हैं।

भारत को तीसरा मेडल, शूटिंग में स्वप्निल कुसाले ने जीता ब्रांज

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारत को पेरिस ओलंपिक तीसरा मेडल मील गया है. तीसरा मेडल भी शूटिंग में ही मिला है. स्वप्निल कुसाले ने ब्रांज मेडल जीता है. कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशंस इवेंट में ब्रांज जीता है. कुसाले अपने शुरुआती मैच से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और उनसे मेडल की उम्मीद लगाई जा रही थी और उन्होंने देश की उम्मीदों को आखिरकार पूरा कर दिया है. पेरिस ओलंपिक का ये छठा दिन है. अबतक भारत को 3 मेडल मिले हैं और तीनों ही शूटिंग में मिले हैं. इस तरह शूटिंग ओलंपिक में भारत के लिए सबसे लकी इवेंट रहा है. पहले दे मेडल मनु भाकर और सरबजीत सिंह ने जीते थे. मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत स्पर्धा में ब्रांज जीता था जबकि 10 मीटर की मिक्स इवेंट में मनु और सरबजीत ने ब्रांज जीता था. अब स्वप्निल ने इसी इवेंट में ब्रांज जीतकर मेडल की हैट्रिक पूरी कर दी है. स्वप्निल कुसाले एमएस धोनी को अपना आइडल मानते हैं और फाइनल मैच के दौरान उन्होंने भी दबाव में न बिखरने वाली प्रवृति दिखाई. मैच के दौरान एक समय ऐसा भी लग रहा था कि वे टॉप 3 में जगह नहीं बना पाएंगे लेकिन बेहद शांति से वे छठे नंबर से तीसरे नंबर तक पहुंचे.

पारस हेल्थकेयर लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

नईदिल्ली। उत्तर भारत, बिहार और झारखंड में बिस्तर क्षमता के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता कंपनी (स्रोत: क्रिसिल रिपोर्ट) पारस हेल्थकेयर लिमिटेड (कंपनी) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। 31 मार्च, 2024 तक कुल 2,135 बिस्तरों के साथ, पारस हेल्थकेयर लिमिटेड उत्तर भारत, बिहार और झारखंड में बिस्तर क्षमता के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता कंपनी है (स्रोत: क्रिसिल रिपोर्ट)। यह पारस हेल्थ ब्रांड के तहत आठ अस्पताल संचालित करती है, जो उत्तर भारत के पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में फैले हुए हैं - हरियाणा में गुरुग्राम और पंचकुला; बिहार में पटना और दरभंगा; उत्तर प्रदेश में कानपुर; राजस्थान में उदयपुर; झारखंड में रांची, और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर। पारस हेल्थकेयर टियर 2 और 3 शहरों में विशेष टर्शीएरी चिकित्सा देखभाल प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है, और साथ ही किफ़ायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। पारस हेल्थकेयर कार्डियक साइंसेज, ऑन्कोलॉजी, न्यूरो साइंसेज, गैस्ट्रो साइंसेज और ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट सहित अस्पतालों में कई नैदानिक सुविधाएं प्रदान करता है। पब्लिक ऑफ़र में 400 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू और सेलिंग शेयरहोल्डर द्वारा 1 रुपया प्रत्येक इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य के साथ 14,974,010 इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऑफ़र (हस्र्स) शामिल है (ऑफ़र फॉर सेल) । ऑफ़र फॉर सेल में डॉ. धर्मिंदर कुमार नागर (प्रवर्तक विक्रय शेयरधारक) द्वारा 1 रुपया अंकित मूल्य के 2,928,320 इक्विटी शेयर और कॉमेलिना लिमिटेड (निवेशक विक्रय शेयरधारक और प्रमोटर विक्रय शेयरधारक के साथ मिलकर विक्रय शेयरधारक) द्वारा 1 अंकित मूल्य के 12,045,690 इक्विटी शेयर शामिल हैं (विक्रय शेयरधारकों द्वारा 1 रुपया अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऐसा प्रस्ताव बिक्री के लिए प्रस्ताव)। पारस हेल्थकेयर लिमिटेड शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित के लिए करने का प्रस्ताव करता है: कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के एक हिस्से का पूर्व भुगतान या अनुसूचित पुनर्भुगतान। सहायक कंपनियों, पारस हेल्थकेयर (रांची) प्राइवेट लिमिटेड और प्लस मेडिकेयर हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड में निवेश, ऐसी सहायक कंपनियों के पूर्ण या आंशिक रूप से उधार की चुकौती/पूर्व भुगतान के लिए ऋण या इक्विटी के रूप में और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य।

निवेशकों के लिए सावधानी

मुंबई : एक्सचेंज के ध्यान में लाया गया है कि श्री अमित लिल्हारे (पैन:ADFPL4472R, हमारे पंजीकृत स्टॉक ब्रोकर में से एक के अधिकृत व्यक्ति, विभिन्न पते (नीचे उल्लिखित) के माध्यम से काम करते हुए शेयर बाजार में निवेश पर सुनिश्चित/गारंटी रिटर्न प्रदान कर रहे हैं और अपने व्यक्तिगत बैंक खातों में निवेशकों से ऐसे सुनिश्चित/गारंटी रिटर्न पर कमीशन भी एकत्र कर रहा है। एक्सचेंज ट्रेडिंग सदस्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की प्रक्रिया में है।

पता-बीएल.नंबर 27, प्लॉट नंबर 22, दूसरी मंजिल व्हाइट हाउस, नेहरू नगर, पूर्वी भिलाई, दुर्ग-490020, छत्तीसगढ़।

ए 2/302, ड्रीम एस्टेट, हंडेवाडी रोड, जेएसपीएम कॉलेज के पास, हडपसर, पुणे-411028, महाराष्ट्र

निवेशकों को सावधान किया जाता है और सलाह दी जाती है कि वे शेयर बाजार में सांकेतिक/सुनिश्चित/गारंटी रिटर्न की पेशकश करने वाले किसी भी व्यक्ति/इकाई द्वारा पेश की गई ऐसी किसी भी योजना/उत्पाद की सदस्यता न लें क्योंकि यह कानून द्वारा प्रतिबंधित है। इसके अलावा, निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने ट्रेडिंग क्रेडेंशियल जैसे यूजर आईडी/पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। एक्सचेंज ने पंजीकृत सदस्य व प्राधिकृत व्यक्ति और उसके विवरण की जांच करने के लिए वेबसाइट https://www.nseindia.com/invest/find-a-stock-broker लिंक के तहत अपने स्टॉक ब्रोकर को जानें/पता लगाएं की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, ट्रेडिंग सदस्यों द्वारा एक्सचेंज को बताए गए निवेशकों से धन प्राप्त करने/भुगतान करने के लिए ग्राहक बैंक खातों के रूप में नामित निर्दिष्ट बैंक खाते भी उक्त लिंक के तहत प्रदर्शित किए जाते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 03 अगस्त 2024

संक्षिप्त समाचार

चैंबर अध्यक्ष पारवानी से घबराए सुंदरानी व्यापारी वर्ग का कर रहे अहित

रायपुर। श्री सिंहदेव ने कहा की नया संविधान 23 जुलाई 2024 तक चैंबर के सदस्य बने व्यापारियों चुनाव में मतदान करने का अधिकार देता है। कार्यकारिणी की मीटिंग पश्चात परिपाठी है 1 माह के भीतर चुनाव अधिकारी को मतदाता सूची देने की व्यवस्था है ,यह कार्य क्रियाशील था जिसे आपत्ति लगाकर दिशाहीन किया गया परिणाम स्वरूप अस्पष्टता की स्तिथि में चुनाव अधिकारियों को चुनाव स्थगित करना पड़ा

सिंहदेव ने विस्तृत से जानकारी देते हुए कहा की जब रजिस्ट्रार एवं फर्म्स कार्यालय में नए संविधान को जमा किया गया तब श्रीचंद गुट की ओर से लगी आपत्ति पर रजिस्ट्रार कार्यालय ने लेटर ज़ारी किया एवं हमारे संतोषपूर्ण जवाब देने के पश्चात रजिस्ट्रार ने स्वीकृति दी तथा नया संविधान लागू हुआ। परंतु इसके बाद भी अब श्रीचंद के गुट ने पुन: आपत्ति लगाकर चुनाव प्रक्रिया पर वर्तमान स्तिथि उत्पन्न की , चूंकि उन्हे भी पता है की मैदानङ्कएङ्कजंग में उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। श्रीचंद के गुट द्वारा की गई इस करतूत से यह साफ है की व्यापारी एकता पैनल के सभी पदाधिकारी यह जानते है की अध्यक्ष पारवानी द्वारा पिछले 3 वर्षो में व्यापारी एवम व्यापार हित में अनेकों अनेक कार्य किए गए जिसके चलते राजधानी ही नही अपितु पूरे छत्तीसगढ़ में पारवानी को व्यापारी वर्ग का भारी समर्थन प्राप्त है।

शगुन इवेंट प्रदर्शनीय में ग्राहकों से रिस्पांश मिला

रायपुर। शगुन इवेंट द्वारा आयोजित प्रदर्शनीय में आयोजक तृप्ति गोविंद राठी ने बताया कि दुसरे दिन लोगो की काफी रिस्पांश मिला यहा उपलब्ध सामग्री गोबर से राखी, धान से राखी चांवल से राखी से बानायी गयी है और मिलेट प्रोडक्ट बाजरी का आटा, रागी आटा, कच्चा धानी तेल, और दर्द निवारक आयुर्वेदिक तेल, मुरादाबाद के क्राकरी, भागलपूरी साडी, अनेक यहा प्रकार के अलग-अलग सामग्री यहा मिल रही है और लोग काफी पसंद भी कर रहे है। यहा पर भारत के सभी प्रांतो से आकर स्टाल लगाये है। हर प्रांत की लगभग प्रसिद्ध सामग्री विक्रय के लिए उपलब्ध है। आन्ध्र समाज की महिलाओं को तृप्ति गोविंद राठी और शताब्दी सुबोध पांडेय ने कार्यक्रम हेतु मंच दिया गया। संस्था के सदस्यों कि भवानी राव के निर्देश में महिला कलाकार श्रीदेवी, आराधिता ए आनंददिता, पल्लवी राव, आकांक्षा अभिता राव आरती पटनायक द्वारा सावन के गीतो पर सदाबहार गानों की प्रस्तुती दी गई ए श्री देवी आराधिता, आनंदित द्वारा प्रस्तुति दी गई। आराधिता आनंधिता द्वारा कूहू कूहू बोले कोयलिया गाने की शानदार प्रस्तुति दी गई। वही पल्लवी राव तू ही रे, और जरा जरा बहकता और के आकांक्षा द्वारा रिमझिम गिरे सावन और बरसों से मेघा मेघा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया आरती पटनायक द्वारा सावन के झूले पडे और अनीता राव द्वारा राम आंएगे भजन से शानदार शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से चेम्बर की महिला विंग अध्यक्ष मधु अरोरा जी, संरक्षक आभा मिश्रा कोषाध्यक्ष प्रेरणा भट्ट उपस्थित थे। आंध्र ब्रम्हाण समाज से प्रमुख रामलक्ष्मी जी और सुनीता राव उपाध्यक्ष ए.के. श्रीनीवास जी उपस्थित रहें। और आंध्र समाज से बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आरपीएफ ने खतरनाक रेलवे ट्रैक स्टंट के लिए यूट्यूबर को गिरफ्तार किया

रेलवे सुरक्षा बल, महानिदेशक ने नागरिकों से अपील की कि वे गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल न हों और ऐसी किसी भी हरकत की सूचना दें

रायपुर। लापरवाह व्यवहार पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, रेलवे सुरक्षा बल ने प्रचार के लिए रेलवे ट्रैक के साथ आपराधिक छेड़छाड़ करके सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है। ट्विटर पर वायरल वीडियो में एक व्यक्ति को रेलवे ट्रैक पर विभिन्न प्रकार की वस्तुएं रखते हुए दिखाया गया था, जिसके बाद तत्काल जांच की गई। अपराधी, गुलज़ार शेख ने अपने यूट्यूब चैनल पर 250 से अधिक वीडियो अपलोड किए हैं और उसके 2 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। उसकी ऑन-कैमरा गतिविधियों ने रेलवे सुरक्षा और संचालन दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा किया।

शेख की यूट्यूब प्रोफ़ाइल और सोशल मीडिया उपस्थिति के विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से, आरपीए? ऊंचाहार, उत्तर रेलवे ने 01/08/2024 को रेलवे अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत अपराध दर्ज किया। उसी दिन, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने श्री गुलजार शेख, पुत्र सैयद अहमद को खांडरौली गांव, सोरांव (इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश में उनके निवास से गिरफ्तार किया।

तत्पर और प्रभावी कार्रवाई के लिए आरपीएफ, लखनऊ मंडल की सराहना करते हुए, महानिदेशक आरपीएफ ने जोर देकर कहा कि श्री गुलजार शेख के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भारतीय रेलवे की सुरक्षा से समझौता करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के लिए एक मजबूत निवारक के रूप में काम करेगी। उन्होंने रेलवे सुरक्षा के महत्व को दोहराया और जनता को आश्वासन दिया कि रेल सुरक्षा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ संकल्प और सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ सामना किया जाएगा और ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों पर अधिकतम सजा सुनिश्चित करने के लिए मुकदमा चलाया जाएगा। महानिदेशक आरपीएफ ने जनता से ऐसी गतिविधियों में शामिल न होने और रेलवे सुरक्षा और सुरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी कृत्य की रिपोर्ट करने की भी अपील की। ऐसी जानकारी रेलवे सुरक्षा बल या रेल मदद को टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से दी जा सकती है।

उपमुख्यमंत्री के पहल पर पेराई सीजन के सभी गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत भुगतान जारी

गन्ना किसानों को कुल 113 करोड़ 52 लाख रुपए का भुगतान जारी किसानों को जल्द ही रियायत दर पर 50 किलो शक्कर प्रदान किया जाएगा।

कवर्धा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में अन्नदाता किसानों के हित में लगातार काम कर रही है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर पवित्र सावन महीने में भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर के द्वारा त्योहारी सीजन में गन्ना किसानों को एफआरपी गन्ना भुगतान अंतर्गत 6 करोड़ 2 लाख रुपए का भुगतान जारी किया गया है। इस भुगतान के साथ भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा पेराई सीजन वर्ष 2023-24 में कारखाने में गन्ना बेचने वाले किसानों को कुल 113 करो? 52 लाख रुपए का भुगतान जारी कर दिया गया है। इस प्रकार इस सत्र में गन्ना बेचने वाले समस्त किसानों का 100 प्रतिशत भुगतान कारखाने के द्वारा जारी कर दिया गया है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के प्रबंध संचालक श्री जी.एस. शर्मा ने बताया

कि भोरमदेव शक्कर कारखाने का 100 प्रतिशत भुगतान जारी हो गया। वही दूसरी ओर किसानों को जल्द ही रियायत दर पर 50 किलो शक्कर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सावन के पवित्र महीने और त्यौहारों के सीजन में गन्ना बिक्री की राशि मिलने से क्षेत्र के गन्ना किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा पूर्व वर्षों के अनुसार ही एफआरपी गन्ना राशि का शत प्रतिशत भुगतान कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के किसानों की जागरूकता और उच्च क्वालिटी की गन्ना कारखाने को आपूर्ति करने के कारण रिकवरी में भी पिछले वर्ष से वृद्धि हुई है। जिसके कारण इस वर्ष किसानों को रिकवरी का राशि भी पिछले वर्ष से ज्यादा मिलेगा, जिससे किसानों में खुशी की लहर है। उन्होंने बताया कि किसानों को रिकवरी राशि का भुगतान भी अतिशीघ्र किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि एफआरपी, रिकवरी की राशि शक्कर कारखाना द्वारा दी जाती है, जबकि गन्ना प्रोत्साहन या बोनस की राशि कृषि विभाग छत्तीसग? शासन द्वारा दी जाती है। बोनस राशि भी शीघ्र गन्ना किसानों को देने छत्तीसग? सरकार की कृषि बजट मे शामिल है।

पूर्व राज्यपाल रमेश बैस को गजमाला पहना कर भाजपा जिला द्वारा बधाई प्रेषित की

रायपुर शहर जिला भाजपा पदाधिकारियों ने लिया रमेश बैस का आशीर्वाद दी बधाई

रायपुर। रायपुर शहर जिला द्वारा जिला भाजपा अध्यक्ष जयंती पटेल के नेतृत्व में महाराष्ट्र के निवर्तमान राज्यपाल पूर्व लोकसभा सांसद रायपुर रमेश बैस को रायपुर शहर जिला की टीम द्वारा गजमला पहना कर उनके जन्मदिवस पर बधाई देकर आशीर्वाद लिया ,

वरिष्ठ भाजपा नेता और निवर्तमान राज्यपाल आज अपने निज निवास पर आत्मियजनों और शुभचिंतकों से अपने जन्मदिवस के अवसर पर भेंट मुलाकात कर बधाई ग्रहण कर रहे थे इसी कड़ी में भाजपा रायपुर शहर जिला की टीम उनके निवास पहुंची और उन्हें बधाई संदेश प्रेषित किया एवं उनका आशीर्वाद ग्रहण किया आज श्री बैस के जन्मदिवस पर उनके शुभचिंतकों द्वारा बधाई देने वालो का तांता लगा हुआ था प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय , विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय मंत्री टंकराम वर्मा पूर्व मंत्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत सहित रायपुर शहर जिला के सभी वरिष्ठ नेता उनके निज निवास पहुंचे एवं उन्हें स्वास्थय और दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं प्रेषित की ।

विधायक इंद्र कुमार साहू मोतीलाल साहू पुरंदर मिश्रा गुरु खुशवंत साहब धर्मजीत सिंह नंदे साहू भाजपा सह मीडिया प्रभारी अनुराग अग्रवाल अशोक पांडेय छगन मुंडा अशोक बजाज संदीप शर्मा श्याम नारंग सनम जांगड़े लक्ष्मी वर्मा भूपेंद्र सवन्नी शिवरतन शर्मा उपासने जी सुभाष राव सत्यम दुबा अकबर अली गोपी साहू सुभाष अग्रवाल कुलीदिप जुनेजा प्रमोद दुबे प्रदेश एवं जिला, मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारीगण जिला जनपंचत के अध्यक्ष सदस्य पार्षद प्रशासनिक अधिकारी छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स के की टीम प्रतिष्ठित डॉक्टर्स गणमान्य नागरिक सुबह 10 बजे से देर रात समाचार लिखे जाने तक मिलने का क्रम जारी रहा।

विधायक ने किसानों के बकाया राशि कारखाने से जारी की गई 12.62 करोड़ से अधिक की राशि

किसानों के हित लिए हम प्रतिबद्ध हैं, बकाया भुगतान भी जल्द होगी जारी : भावना बोहरा

पंडरिया। पंडरिया विधानसभा में गन्ने की खेती करने वाले किसानों के बकाया भुगतान हेतु पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया द्वारा पेराई वर्ष 2023-24 में पंडरिया विधानसभा के 7500 से अधिक शेयरधारी गन्ना किसानों से 2 नवम्बर 2023 से 5 अप्रैल 2024 तक 3.13 मिट्रिक टन गन्ने की खरीदी हुई थी जिसका उचित एवं लाभकारी मूल्य के तहत (एफआरपी दर) भुगतान हेतु 91 करोड़ रुपए की राशि कारखाने द्वारा दी जानी थी। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा लगातार किसानों की बकाया राशि का भुगतान करने हेतु जल्द व्यवस्था करने का प्रयास किया जा रहा था और वे लगातार अधिकारियों एवं प्रशासन से किसानों के भुगतान हेतु संपर्क में हैं। इसी कड़ी में आज किसानों को बकाया भुगतान हेतु 12 करोड़ 62 लाख 14 हजार 255 रुपए की राशि जारी की गई है, जिससे किसानों में ?ुशी दिखाई दे रही है। इस राशि के साथ ही अब तक 27 फरवरी 2024 तक किसानों के बकाया राशि का भुगतान किया जा चुका है। आपको बताते चले की अब तक विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से लगभग 71 करो? 92 लाख रुपए से अधिक की

राशि अबतक किसानों को जारी की जा चुकी है और बकाया राशि भी जल्द ही उन्हें भुगतान कर दी जाएगी।

इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि हमारे पंडरिया विधानसभा में अधिकतर किसान हैं जो गन्ने की खेती करते हैं। गन्ना किसानों द्वारा बकाया भुगतान की राशि के बारे में मुझे अवगत कराया गया था जिसके लिए मैनें किसानों के हित को देखते हुए लगातार प्रयास किये की उन्हें बकाया राशि जल्द से जल्द दी जा सके। इसके पूर्व भी किसानों को दो से तीन किश्तों में बकाया राशि का भुगतान किया जा चुका है और आज 12 करो? 62 लाख 14 हजार 255 रुपए की राशि भी किसानों को भुगतान करने हेतु जारी की गई है जिससे किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा। मैं सभी किसान भाई-बहनों को आश्वस्त करती हूँ कि जो राशि अभी भी भुगतान हेतु बाकी है वह भी जल्द ही उन्हें दे दी जाएगी।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि छत्तीसग? की भाजपा सरकार किसनों के हित एवं उनके अधिकार के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। हाल ही में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया के 11,892 शेयरधारी किसानों को नियमानुसार 50 किलो शक्कर प्रदान करने हेतु मंडी बोर्ड निधि से 33 लाख 62 हजार 457 रुपए एवं भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना कवर्धा हेतु 66 लाख 37 हजार 543 रुपये के अनुदान राशि की स्वीकृति भी प्रदान की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ आज किसानों को जमीनी स्तर पर मिल रहा है। अच्छे गुणवत्ता के खाद, बीज एवं हर प्रकार के साथ ही आधुनिक खेती से भी किसानों को अपनी फसल व आय ब ?ाने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में आज सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। मैं पंडरिया विधानसभा के गन्ना किसानों को आश्वस्त करती हूँ कि भुगतान हेतु जो शेष राशि बकाया है उसका भी भुगतान जल्द करने हेतु हम लगातार प्रयास कर रहें हैं।

भाजपा के सहयोग केंद्र में समस्याओं का निराकरण

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहयोग केंद्र में प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री, मंत्री और भाजपा पदाधिकारी बैठकर लोगों के समस्याओं और आवेदनों का त्वरित निराकरण कर रहे हैं। काफी संख्या में लोग भाजपा के सहयोग केंद्र में लगातार शामिल हो रहे है और प्रदेश सरकार के मंत्री उनकी समस्याओं एवं आवेदन का त्वरित निराकरण कर रहे हैं। शुक्रवार को सहयोग केंद्र में सैक?ों की संख्या में आवेदन आए। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय मे आज हमने लोगो की समस्याओं को सुना, विभिन्न विभागों के चाहे वे निर्माण संबंधी कार्य हो या क्षेत्र के विकास के लिए काम हो, चाहे नए अस्पताल की मांग हो पूरे प्रदेशभर से विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। आज सहयोग केन्द्र में पूरे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से से लोग आए हुए थे। सभी प्रकार के विषय आये, जिनमें स्वास्थ्य संबंधी आवेदन ज्यादा थे। इसके साथ ही शिक्षा, राजस्व, पेयजल, व अन्य विषय भी आए। आवेदनों के निराकरण करने के लिए संबंधित विभागों को जल्द से जल्द निदान करने के लिए निर्देश दिए गए।

हरेली की खुशियां बिखरेंगी मुख्यमंत्री निवास में, आयोजन की तैयारी का उत्साह जोरशोर से

रायपुर। हरेली के उल्लास को संजोने मुख्यमंत्री निवास परंपरागत तरीके से सजाया जा रहा है। हरेली के दिन 4 अगस्त को यहां किसान भाइयों के हल खुरपी नजर आयेंगे। गेड़ी में लोगों का उत्साह नजर आयेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उनके मंत्रिमंडल सहयोगी तथा अतिथिगण इस अवसर पर हरेली का आनंद लेंगे और परंपरागत तरीके से पूजा अर्चना करेंगे।

हरेली तिहार के मौके पर मुख्यमंत्री सबसे पहले विधिविधान से कृषि उपकरणों की पूजा करेंगे। हरेली के अवसर पर पूरे छत्तीसगढ़ अंचल में लोग अपने अपने लोकगीत गाते हैं और नृत्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अंचल के सभी नृत्य एवं लोकगीतों का आयोजन करने कहा है ताकि पूरा छत्तीसगढ़ समवेत रूप में मुख्यमंत्री निवास में अपने पूरे सांस्कृतिक वैविध्य में नजर आये। करमा, राउत नाचा के सुंदर गीतों और लयबद्ध नृत्य के साथ आयोजन की शुरूआत होगी। फिर परंपरागत खेलों का आयोजन होगा। इसमें डंडा, भौंरा,

बांटी जैसे खेल होंगे। हरेली आयोजन में सबसे यादगार गेड़ी होती है गेड़ी में चलकर लोग पुराने दिनों को याद करेंगे।

मुख्यमंत्री इस अवसर पर हरेली त्योहार से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा करेंगे। साथ ही वे जनमानस को हरेली का संदेश भी देंगे। इस बार हरेली इस मायने में भी खास है कि पूरे देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का संदेश दिया है और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में लोग बढ़चढ़कर इसमें हिस्सा ले रहे हैं। चूंकि हरेली त्योहार प्रकृति का ही त्योहार है इसलिए मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में प्रदेश के नागरिकों से कहा है कि धरती मां ने हमें अमूल्य संसाधन दिये हैं। छत्तीसगढ़ की धरती बहुत सुंदर धरती है। अपनी धरती मां का श्रृंगार करने एक पेड़ जरूर लगाएं। इस दिन पूरे प्रदेश में लोग पौधे लगाएंगे। हरेली त्योहार में सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ ही किसान भाइयों को भी कृषि उपकरणों का वितरण किया जाएगा।

दैनिक विश्व परिवार से जुड़ें...

छत्तीसगढ़ के सबसे विश्वसनीय दैनिक समाचार पत्र एवं वेबसाइट **''दैनिक विश्व परिवार''** से जुड़े और पाए अपनी खबरों को प्रकाशित कराने अवसर।

''दैनिक विश्व परिवार'' दे रहा है सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में युवा एवं प्रतिभावान पत्रकारों को मौका अपने जिले की हर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कराने का अवसर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के समस्त जिले, विधानसभा, ब्लॉक स्तर पर रिपोर्टरों और विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है। अपनी खबरों को **''दैनिक विश्व परिवार''** के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। हमसे जुड़ने के लिए निचे दिए गए नंबर पर करे अपनी खबरे साजा।

सम्पर्क : 99810-93065, 62662-63552

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354